भारतीय बैडमिंटन टीम ने रविवार को इतिहास रच दिया और थामस कप के फाइनल मुकाबले में 14 बार की चैंपियन टीम इंडोनेशिया को 3-0 से हरा दिया। भारत ने इस टीम को हराते हुए इतिहास रच दिया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 152 दिनांक:16-05-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

कांग्रेस ने उदयपुर चिंतन शिविर में तीन दिनों के मंथन के बाद कई बड़े एलान किए। पार्टी ने एक व्यक्ति एक पद और एक परिवार एक टिकट का नियम तो लागू किया लेकिन बड़े नेताओं की संतानों के लिए रास्ता भी खोल दिया।

लक्ष्य के शानदार प्रदर्शन से भारत ने पहली बार जीता थॉमस कप बैडमिंटन खिताब

बैंकॉक (ईएमएस)। भारतीय बैडमिंटन टीम ने पहली बार थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता है। भारतीय टीम ने फाइनल में 14 बार की चैम्पियन मेजबान इंडोनेशियाई टीम को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम की इस जीत में युवा लक्ष्य सेन की अहम भूमिका रही। फाइनल के पहले ही मैच में लक्ष्य ने स्थानीय खिलाड़ी एंथोनी सिनिसुका को एक घंटे से अधिक अधिक समय तक चले मुकाबले में 8-21, 21-17, 21-16 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी। वहीं दूसरे युगल मुकाबले में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इंडोनेशिया के ही केविन संजाया और मोहम्मद अहसान को 18-21, 23-21, 21-19 से हराया। इसमें पहला सेट इंडोनेशियन जोड़ी ने 21-18 से जीता पर दूसरे सेट में भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए 23-21 से जीत हासिल कर मैच बराबरी पर ला दिया। तीसरे ओर निर्णायक सेट में भारतीय जोड़ी ने 21-19 के अंतर से जीत हासिल कर भारत को मैच में 2-0 की बढ़त बनाई।

इसके बाद तीसरे एकल मैच में भारत के किदांबी श्रीकांत ने मेजबान देश के जोनातन क्रिस्टी को 21-15, 23-21 से हराया। इसी के साथ ही भारत ने 3-0 के साथ थॉमस पर अपने नाम किया।

इससे पहले भारतीय टीम से सेमीफाइनल में मलेशिया और डेनमार्क को हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी।

थॉमस कप विजेता टीम को एक करोड़ का इनाम देगा केन्द्रीय खेल मंत्रालय : ठाकुर

मुंबई (ईएमएस)। केन्द्रीय खेल मंत्रालय ने इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर पहली बार थॉमस कप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के लिए एक करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की है। भारतीय टीम ने 73 साल में पहली बार थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा है।

भारत की इस जीत में लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और किदांबी श्रीकांत की अहम भूमिका रही। इन तीनों ने ही अपने-अपने मैच जीतने के बाद भारत को खिताबी मुकाबले में भी जीत दिलायी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक ट्वीट में टीम को नकद पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की। उन्होंने लिखा कि जैसा कि भारतीय टीम ने 14 बार के थॉमस कप चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर अपना पहला थॉमस कप 2022 जीता, इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए 1 करोड़ के नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है। टीम इंडिया को बधाई। भारत इंडोनेशिया, चीन, मलेशिया, जापान और डेनमार्क के बाद थॉमस कप जीतने वाला छठा देश है।

ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे में अब तक क्या-क्या मिला हिंदू पक्ष बोला हमारा दावा और मजबूत हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। ज्ञानवापी परिसर में रविवार सुबह दूसरे दिन का सर्वे हुआ। सूत्रों के अनुसार तहखाने के बाद अब मस्जिद के ऊपरी ढांचे की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की गई है। वहीं इससे पूर्व शनिवार सर्वे में मिले निशानों के आधार हिन्दू पक्ष अपने दावे को मजबूत बता रहा है। हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन ने कहा है कि हमारा दावा और मजबूत हुआ है। हरिशंकर ने बताया कि सर्वे में जो मिल रहा है, वो उनके पक्ष में है। सर्वे सोमवार को भी होगा। सुबह 8 से 12 बजे तक 4 घंटे लगातार सर्वे चला। इस दौरान पश्चिमी दीवार, नमाज स्थल व तहखाना के अंदर दोबारा सर्वे किया गया। इसके साथ ही तहखाने के अंदर एक कमरे में मलबा व पानी की वजह से सर्वे की कार्रवाई नहीं हो सकी, जिसके कारण सुबह कल डेढ़ से 2 घंटे के लिए सर्वे कराया जाएगा। ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में शनिवार को सर्वे के दौरान दीवारों पर त्रिशूल और स्वास्तिक के निशान दिखे हैं। इनकी बनावट शैली का कोर्ट कमिश्नर व अधिवक्ताओं ने आकलन किया। सूत्रों के अनुसार एक तहखाने में मगरमच्छ का शिल्प देख सभी दंग रह गए। तहखाने में मंदिर शिखर का अवशेष भरा होने के कारण सर्वे में दिक्कत भी आई। वाराणसी जिले में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वे-वीडियोग्राफी कार्य रविवार को दूसरे दिन भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जारी रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मस्जिद समिति की आपत्तियों के बीच पिछले सप्ताह सर्वेक्षण रोक दिया गया था। समिति ने दावा किया था कि सर्वे के लिए अदालत द्वारा नियुक्त अधिवक्ता आयुक्त को परिसर के अंदर वीडियोग्राफी कराने का अधिकार नहीं है। सर्वे स्थल पर पहुंचे वाराणसी के पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने रविवार को कहा कि माननीय अदालत के आदेश के अनुसार आज दूसरे दिन भी ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग के सदस्य अंदर कार्य कर रहे हैं। ज्ञानवापी मस्जिद प्रतिष्ठित काशी विश्वनाथ मंदिर के करीब स्थित है। स्थानीय अदालत महिलाओं के एक समूह द्वारा इसकी बाहरी दीवारों पर मूर्तियों के सामने दैनिक प्रार्थना की अनुमति की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है। वाराणसी की एक अदालत ने ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर का सर्वे-वीडियोग्राफी कार्य कराने के लिए नियुक्त अधिवक्ता आयुक्त (कोर्ट कमिश्नर) अजय मिश्रा को पक्षपात के आरोप में हटाने की मांग संबंधी याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया था कि ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर भी वीडियोग्राफी कराई जाएगी। दीवानी अदालत के न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) दिवाकर ने अधिवक्ता आयुक्त मिश्रा को हटाने संबंधी याचिका को नामंजूर करते हुए विशाल सिंह को विशेष अधिवक्ता आयुक्त और अजय प्रताप सिंह को सहायक अधिवक्ता आयुक्त के तौर पर नियुक्त किया था। उन्होंने संपूर्ण परिसर की वीडियोग्राफी करके 17 मई तक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए थे।

भारत ने पाकिस्तान में सिखों की हत्या पर कड़ा विरोध दर्ज कराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने पाकिस्तान में सिखों की हत्या पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय ने दो सिख व्यापारियों की पाकिस्तान में हुए टार्गेट किलिंग पर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, ठहमने पेशावर में अज्ञात हथियारबंद लोगों द्वारा दो सिख व्यापारियों की नृशंस हत्या की रिपोर्ट देखी है। दुख की बात है कि यह है ऐसा पहला मामला या दुर्लभ घटना नहीं है।ठ भारत की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि ठदुख की बात है कि यह पहली ऐसी घटना नहीं है।

ज्ञात रहे कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने रविवार को दो सिख व्यापारियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार बाइक सवार दो लोगों द्वारा सुबह हमला किए जाने के बाद सलजीत सिंह (42) और रंजीत सिंह (38) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ये दोनों लोग मसालों का कारोबार करते थे और पेशावर से लगभग 17 किलोमीटर दूर सरबंद के बाटा ताल बाजार में उनकी दुकानें थीं। अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने घटना को अंतर-धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश करार देते हुए कहा कि मृतकों के परिवारों को न्याय दिलाया जाएगा।

पेशावर में लगभग 15,000 सिख रहते हैं, ज्यादातर प्रांतीय राजधानी के निकट जोगन शाह में रहते हैं। पेशावर में सिख समुदाय के अधिकतर सदस्य व्यवसाय से जुड़े हैं। गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में एक सिख 'हकीम' (यूनानी चिकित्सक) की पेशावर में उनके क्लिनिक के अंदर अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

बहुसंख्यकवाद भारत के भविष्य के लिए बेहद खतरनाकः राजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने आगाह ?किया कि बहुसंख्यकवाद भारत के भविष्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है और इसका हर कदम पर विरोध किया जाना चाहिए। राजन ने एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि आलोचना पर कुछ विधायी बाधाओं को हटाकर सरकार को आलोचना के प्रति अधिक उत्तरदायी बनना चाहिए। उन्होंने चेताया ?कि बहुसंख्यकवाद के प्रति हमारे रुझान के व्यापक परिणाम हैं और वे सभी प्रतिकूल हैं। यह हर आर्थिक सिद्धांत के खिलाफ है। अपने स्पष्ट विचारों के लिए पहचाने जाने वाले अर्थशास्त्री राजन ने कहा कि भारत को समावेशी विकास की जरूरत है और आबादी के किसी भी वर्ग के साथ द्वितीय श्रेणी के नागरिक के रूप में व्यवहार करने से देश समावेशी विकास नहीं कर सकता। राजन ने कहा कि बहुसंख्यकवाद विभाजनकारी है और यह भारत को ऐसे समय में विभाजित करने का काम करेगा जब बाहरी खतरों का सामना करने के लिए देश को एकजुट रहना है।

कार्टून कोना

फिर महंगा हुआ सीएनजी से गाड़ी चलाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के कई हिस्सों में सीएनजी गैस की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं। सीएनजी गैस की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई हैं। बढ़ी हुई कीमतें रविवार सुबह 6 बजे से लागू हो गई हैं। इस तरह अब दिल्ली में सीएनजी गैस 73.61 रुपए प्रति किलोग्राम में मिलेगी। सीएनजी की कीमतों में ठीक एक महीने बाद यह बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले 14 अप्रैल को सीएनजी के दाम ढाई रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए थे। इसके बाद दिल्ली में एक किलो सीएनजी की कीमत 71.61 रुपए गई थी। दिल्ली में सीएनजी की कीमत 2 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़कर 73.61 रुपए पर पहुंच गई है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में गैस की खुदरा कीमत 76.17 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी गैस की कीमत 80.84 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। गुरुग्राम में 81.94 रुपए प्रति किलोग्राम है। रेवाड़ी में 84.07 रुपए प्रति किलोग्राम, करनाल और कैथल में 82.27 रुपए प्रति किलोग्राम, कानपुर, हमीरपुर और फतेहपुर की में 85.40 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। इसके अलावा राजस्थान में अजमेर, पाली और राजसमंद में 83.88 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

राजीव कुमार ने देश के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजीव कुमार ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले सीईसी रहे सुशील चंद्रा का कार्यकाल 14 मई को समाप्त हुआ। 19 फरवरी, 1960 को जन्मे कुमार का कार्यकाल फरवरी 2025 में उनकी आयु 65 वर्ष पूरी होने पर खत्म होगा। कानून के अनुसार निर्वाचन आयुक्त और मुख्य निर्वाचन आयुक्त छह साल के लिए या 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो भी पहले हो, पद पर रह सकते हैं। कुमार के कार्यकाल में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव के अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव और कई विधानसभा चुनाव होंगे। कुमार को जब निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया था तब वह लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) के अध्यक्ष थे। उन्होंने तत्कालीन निर्वाचन आयुक्त अशोक लवासा के इस्तीफे के बाद 1 सितंबर, 2020 को निर्वाचन आयुक्त का पदभार संभाला था। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1984 बैच के बिहार/झारखंड कैडर के अधिकारी कुमार फरवरी 2020 में आईएएस के रूप में सेवानिवृत्त हुए। चुनाव आयोग के मुताबिक बीएससी, एलएलबी, पीजीडीएम और एमए पब्लिक पॉलिसी की अकादमिक डिग्री हासिल करने वाले राजीव कुमार के पास भारत सरकार की 36 वर्षों से अधिक की सेवा का अनुभव है। उन्होंने इस दौरान सामाजिक क्षेत्र, पर्यावरण और वन, मानव संसाधन, वित्त और बैंकिंग क्षेत्र में केंद्र और राज्य के विभिन्न मंत्रालयों में काम किया है। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के वित्त सह-सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, (सितंबर 2017 - फरवरी 2020), उन्हें बैंकिंग, बीमा और पेंशन सुधारों को देखने का काम जिम्मा दिया गया था। आयोग के मुताबिक, कुमार ने वित्तीय सेवा क्षेत्र का पर्यवेक्षण किया और अन्य बातों के साथ-साथ प्रमुख पहलों/सुधारों को शुरू करने में अहम भूमिका निभाई जैसेः मान्यता, पुनर्पूंजीकरण, संकल्प और सुधार के व्यापक दृष्टिकोण के साथ बैंकिंग सुधार। उन्होंने फर्जी इक्विटी बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली करीब 3.38 लाख शेल कंपनियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए थे।

असम में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली (ईएमएस)। असम में लगातार बारिश के बाद दीमा हसाओ के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। इसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सेना के जवानों ने कल रात कछार जिले के बालिचरा और बरखोला के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान चलाया। इस दौरान बाढ़ के पानी में फंसे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। असानी चक्रवात आने के बाद से असम लगातार बारिश का सामना कर रहा है। यहां कई इलाकों में जलभराव हो गया है। बारिश और जलभराव से हजारों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई इमारतों को नुकसान भी पहुंचा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इसे लेकर रिपोर्ट जारी किया है। इसके अनुसार दीमा हसाओ में पिछले कुछ दिनों से बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश और भूस्खलन के कारण पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के लुमडिंग-बदरपुर खंड में कई ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के चलते लुमडिंग मंडल के लुमडिंग-बदरपुर पर्वतीय खंड के अनेक हिस्सों में जलभराव हो गया। इसे को देखते हुए कई ट्रेन रद्द या फिर आंशिक तौर पर रद्द कर दी गई हैं।

रवि के वार से झुलसा उत्तर भारत; तापमान 49 के पार, दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में चली लू

नई दिल्ली । भीषण गर्मी ने पिछले तमाम रिकार्ड तोड़ दिए हैं। झुलसा देने वाली धूप और भीषण लू के बीच रविवार को दिल्ली के कई इलाकों का तापमान 49 डिग्री पार कर गया। दिल्ली के दो स्टेशनों मुंगेशपुर और नजफगढ़ में तापमान क्रमशः 49.2 और 49.1 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक 15 मई को पिछले नौ साल में यह सबसे गर्म दिन रहा है।

वहीं उत्तर प्रदेश के बांदा में भी तापमान 49 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा राजस्थान के धौलपुर में 48.3 और एनसीआर के गुरुग्राम का तापमान 48.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने गर्मी को देखते हुए आरेंज अलर्ट भी जारी किया है। विभाग के अनुसार, सोमवार को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। बादल छाए रहेंगे और धूल भरी तेज आंधी चलेगी। इससे अधिकतम तापमान में भी चार डिग्री तक की गिरावट आ सकती है।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बीते हफ्ते बारिश के बाद नमी बढ़ने से उमस बढ़ गई है। अधिकतम तापमान बांदा में सर्वाधिक 49 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री से ऊपर रहा। रविवार को दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में भीषण गर्मी और लू ने लोगों को परेशान किया। उत्तर भारत में गर्मी लगातार बढ़ रही है और फिलहाल इसके तेवर में कमी आने की संभावना नहीं है। हरियाणा के ही रेवाड़ी में अधिकतम तापमान 47.5 डिग्री पर पहुंच गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के अनुसार, पिछले 13 वर्षों में मई में कभी इतना अधिक तापमान नहीं रहा। वर्ष 2009 में 26 मई को अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं, नारनौल में अधिकतम तापमान 47.5 दर्ज हुआ है। पंजाब में प्रदेश में प्रचंड गर्मी ने लोगों को घरों में कैद कर दिया है। लू के बढ़ते प्रकोप के कारण लोगों को मई में जून जैसी तपिश का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को पंजाब के अधिकांश जिले लू की चपेट में रहे और तापमान ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। रविवार को मुक्तसर राज्य में सबसे गर्म रहा और यहां पर अधिकतम तापमान रिकार्ड 47.4 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार को भी यहां तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो राज्य के सभी जिलों से सबसे ज्यादा था। वहीं फिरोजपुर में अधिकतम तापमान 46.9, बठिंडा में 46.8, बरनाला में 46.4, जालंधर में 46.2, अमृतसर, मोगा व होशियारपुर में 46.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के चंडीगढ़ केंद्र के डायरेक्टर डा. मनमोहन सिंह के अनुसार, मार्च और अप्रैल के बाद मई में गर्मी ने प्रचंड रूप दिखाया है। मई के पहले 15 दिनों में दिन का तापमान सामान्य से पांच से आठ डिग्री सेल्सियस अधिक चल रहा है।

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है। रविवार को धौलपुर में तापमान 48.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। बीकानेर और श्रीगंगानगर जिलों में भी तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। प्रदेश के कई शहरों का तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियम से मध्य दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) ने अरब सागर में तेज पछुआ हवाओं के कारण केरल में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आइएमडी द्वारा केरल के छह जिलों में 15 मई को आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

कांग्रेस का मूल मंत्र बना बदलाव लेकिन बड़े नेताओं की संतानों के लिए रास्ता भी खोला, निजी क्षेत्र में आरक्षण पर रोके कदम

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उदयपुर चिंतन शिविर में तीन दिनों के मंथन के बाद संगठन में अहम सुधार, जनता से जुड़ाव और सड़क पर संघर्ष के मूल मंत्र का संकल्प लेते हुए 2024 की अपनी राजनीतिक वापसी की लड़ाई का रोडमैप तय कर लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक दो अक्टूबर से भारत जोड़ो पदयात्रा निकालने की घोषणा कर इस रोडमैप पर आगे बढ़ने की तस्वीर भी साफ कर दी। उदयपुर नव संकल्प के तहत पार्टी में बड़े सुधारों को लागू करने का एलान करते हुए एक व्यक्ति एक पद और एक परिवार को एक टिकट के साथ संगठन में हर स्तर पर 50 फीसदी पद 50 साल से कम उम्र के युवा चेहरों को देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट देने से इसकी शुरूआत होगी।

चुनावों के प्रबंधन और जमीनी सर्वे के लिए अलग-अलग विभाग बनाने सरीखे कई नए कदम उठाने की घोषणा की गई है। संसदीय बोर्ड बनाने की मांग खारिज करते हुए इसकी जगह कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सलाहकार समूह के गठन का फैसला किया है। राजनीतिक मसलों पर रुख साफ करते हुए कांग्रेस ने गठबंधन का विकल्प खुले रखने की बात दोहरायी है तो संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण में कोटे के भीतर कोटा का समर्थन करने का एलान किया है। संसद और विधानसभाओं में ओबीसी के लिए आरक्षण और निजी क्षेत्र की नौकरियों के आरक्षण के मसले को पार्टी ने फिलहाल छोड़ दिया है। लेकिन जातीय जनगणना के समर्थन का एलान कर कांग्रेस ने ओबीसी वर्ग में अपना सियासी आधार बढ़ाने का दांव चल दिया है।

कांग्रेस में इन अहम बदलावों पर तत्काल अमल के लिए सोनिया गांधी ने चिंतन शिविर के अपने समापन संबोधन में तत्काल एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। कांग्रेस कार्यसमिति ने चिंतन बैठक में हुई चर्चाओं के बाद तैयार किए गए सुधारों और संकल्पों के प्रस्तावों पर मुहर लगाई इसके बाद इसे सर्वसम्मिति से हाथ उठाकर मंजूरी दी गई। कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए एक परिवार एक टिकट को अहम फैसला माना जा रहा मगर पांच साल तक पार्टी में काम करने वालों पर इस फार्मूले को लागू नहीं करने की गुंजाइश छोड़ कर बड़े नेताओं की संतानों के लिए रास्ता खुला रखा गया है। जनता का मूड भांपने और फीडबैक के लिए 'पब्लिक इनसाईट डिपार्टमेंट' पार्टीजनों को वैचारिक और नीतिगत प्रशिक्षण देने के लिए 'राष्ट्रीय ट्रेनिंग इंस्टीटयूट', चुनाव के लिए एआइसीसी में 'चुनाव प्रबंधन विभाग' बनाने का फैसला हुआ है जबकि शीर्ष से लेकर संगठन के जिला स्तर के पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के स्तर पर की जाएगी।

संसदीय बोर्ड के प्रस्ताव पर चिंतन शिविर में चर्चा हुई और यह संगठन सुधारों के मसौदे में शामिल भी था लेकिन अंतिम संकल्पों में इसे जगह नहीं मिल पायी। पार्टी के असंतुष्ट नेताओं की एक प्रमुख मांग संसदीय बोर्ड को फिर से जीवित करने की रही है। हालांकि इसे नामंजूर किए जाने के बाद कार्यसमिति के सदस्यों में से एक छोटा सलाहकार समूह बनाने की सोनिया गांधी ने घोषणा जरूर कर दी जो महत्वपूर्ण मसलों पर उन्हें परामर्श देती रहे। हालांकि सोनिया ने साफ कर दिया कि यह सलाहकार समूह किसी तरह सामूहिक नेतृत्व का ढांचा नहीं होगा। पार्टी का सियासी दायरा बने के लिए एक व्यक्ति के पांच साल तक ही पद पर रहने का फार्मूला लागू होगा तो युवाओं को जोड़ने के लिए हर स्तर पर 50 प्रतिशत पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को दिए जाएंगे।

ओबीसी, एससी-एसटी, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को भी संगठन में अहम भागीदारी दी जाएगी। इसके लिए एआइसीसी में सामाजिक न्याय सलाहकार परिषद का गठन किया जाएगा। राज्यों के संगठन में नेताओं के बीच समन्वय व चर्चा के लिए राजनीतिक मामलों की समिति बनेगी। एआइसीसी और प्रदेश कांग्रेस का अधिवेशन साल में एक बार करने का फैसला भी हुआ है। संचार और संवाद के मोर्चे पर कांग्रेस की कमजोर कड़ी को सुधारने के लिए मीडिया और सोशल मीडिया से लेकर डाटा विभाग आदि में व्यापक बदलाव व सुधारों को लागू करने की घोषणा भी की गई है। जनता से जुड़ाव का अभियान शुरू करने के लिए जून से राज्यों के स्तर पर जन जागरण अभियान तो आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर 75 किलोमीटर की पदयात्रा निकालने का कार्यक्रम तय कर दिया गया है।

आर्थिक नीतियों में नए सिरे से बदलाव की वकालत करते हुए संकल्प प्रस्ताव में कहा गया है कि जॉबलेस ग्रोथ के लिए कोई जगह नहीं है और इसे विकास के साथ रोजगारपरक बनाना होगा। सरकारी कंपनियों के अंधाधुंध निजीकरण का विरोध पार्टी जारी रखेगी। राष्ट्रीय किसान कर्ज राहत आयोग का गठन कर किसानों की कर्ज मुक्ति का रास्ता निकालने, सिंचाई के लिए किसानों को मुफ्त बिजली देने के साथ अलग से कृषि बजट और किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दिलाने का पार्टी ने संकल्प लिया है। साथ ही न्याय योजना के तहत हर किसान और खेत मजदूर को 6000 रुपए महीना नगद खाते में ट्रांसफर की भी पैरोकोरी की है। इन संकल्पों में 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारी का दांव साफ नजर आ रहा है और सोनिया गांधी ने अपने समापन संबोधन में कहा भी कि अगले आम चुनाव के घोषणा पत्र में इनमें से कई प्रस्तावों को शामिल किया जाएगा।

गहलोत के मंत्री के बेटे रोहित जोशी को गिरफ्तार करने जयपुर पहुंची दिल्ली पुलिस

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान के मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित को गिरफ्तार करने के लिए 15 अधिकारियों वाली दिल्ली पुलिस की एक टीम जयपुर पहुंची है। आपको बता दें कि मंत्री के बेटे पर 23 वर्षीय महिला से बलात्कार का आरोप है। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि मंत्री के बेटे ने पिछले साल 8 जनवरी से इस साल 17 अप्रैल के बीच कई मौकों पर उसके साथ दुष्कर्म किया और उससे शादी करने का भी वादा किया। राजस्थान के मंत्री महेश जोशी के बेटे को गिरफ्तार करने के लिए दिल्ली पुलिस की टीम जयपुर पहुंची। पुलिस टीम में 15 सदस्य हैं, जिसका नेतृत्व एसीपी कर रहे हैं।

कश्मीरी पंडितों पर हमला सीधे कश्मीर की आत्मा पर है अटैकः फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों पर हमले की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों पर होने वाला हर हमला कश्मीर की आत्मा पर सीधा हमला है। हत्या की घटनाओं में बढ़ोतरी घाटी में सामान्य स्थिति होने संबंधी सरकार के दावों के विपरीत है। पार्टी के एक प्रवक्ता के अनुसार, श्रीनगर से सांसद अब्दुल्ला ने पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अमित कौल के नेतृत्व में कश्मीरी पंडितों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों पर हमले की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों पर होने वाला हर हमला कश्मीर की आत्मा पर सीधा हमला है। हत्या की घटनाओं में बढ़ोतरी घाटी में सामान्य स्थिति होने संबंधी सरकार के दावों के विपरीत है। पार्टी के एक प्रवक्ता के अनुसार, श्रीनगर से सांसद अब्दुल्ला ने पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अमित कौल के नेतृत्व में कश्मीरी पंडितों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के दौरान ये बातें कहीं।

हिमंत सरमा, बीरेन सिंह, नेफ्यू रियो, माणिक साहा कांग्रेस छोड़ने से खुली किस्मत

नई दिल्ली (ईएमएस)। त्रिपुरा में सीएम बिप्लब देब ने शनिवार को अचानक राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपकर सबको चौंका दिया। शाम तक बीजेपी आलाकमान ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर दी। माणिक साहा त्रिपुरा के नए मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि बीजेपी की ओर से यह पहला प्रयोग नहीं है। इससे पहले उत्तराखंड, गुजरात और कर्नाटक में सीएम पदों में बदलाव देखा गया था। इस दौरान कांग्रेस छोड़कर आए कई नेताओं की किश्मत खुल गई। भगवा पार्टी ने कांग्रेस छोड़कर आए कद्दावर नेताओं को मुख्यमंत्री पद की पेशकश की है। हिमंत बिस्वा सरमा साल 2021 में असम के 15वें मुख्यमंत्री बने थे। उन्हें यह जिम्मेदारी सर्बानंद सोनोवाल की जगह दी गई थी। हिमंत 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। 2016 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में सरमा के जोरदार प्रचार को बीजेपी की जीत की एक वजह माना जा रहा था। हिमंत असम की जलुकबाड़ी विधानसभा सीट से लगातार पांचवीं बार विधायक चुने गए हैं। सोनोवाल की सरकार में हिमंत बिस्वा सरमा को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। 2021 के चुनाव में सरमा ने 1 लाख से अधिक मतों के बंपर अंतर से जीत हासिल की थी। उन्हें बीजेपी ने नॉर्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) का संयोजक बनाया था। सरमा ने पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भाजपा को सत्ता में लाने में बड़ा योगदान दिया। एन बीरेन सिंह ने 2016 में कांग्रेस छोड़ दी और मणिपुर में 2017 के विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले भाजपा में शामिल हो गए। 15 साल बाद राज्य में एक गैर-कांग्रेसी सरकार बनी और भाजपा ने एन बीरेन सिंह को सीएम बनाया। मणिपुर में बीरेन सिंह बीजेपी के पहले सीएम बने। उन्होंने भाजपा और उसके सहयोगियों के 33 विधायकों के समर्थन से विधानसभा का फ्लोर टेस्ट जीतकर अपना दमखम दिखाया। नेफ्यू रियो नागालैंड के पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने लगातार तीन चुनाव जीते हैं। रियो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने 2002 में कांग्रेस छोड़ दी थी। उन्होंने नागालैंड मुद्दे पर तत्कालीन सीएम एससी जमीर के साथ मतभेदों के कारण इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद रियो नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) में शामिल हो गए। यह स्थानीय राजनीतिक दलों और भाजपा से जुड़ा था। उनके नेतृत्व में डेमोक्रेटिक अलायंस ऑफ नागालैंड (डीएएन) का गठन किया गया था। इस गठबंधन ने 2003 में विधानसभा चुनाव जीता था। वहीं कांग्रेस को 10 साल बाद सत्ता से बाहर कर दिया गया और नेफ्यू रियो पहली बार नागालैंड के मुख्यमंत्री बने। 2008 में डीएएन गठबंधन ने राज्य में सरकार बनाई और रियो सीएम बने।

पोप फ्रांसिस ने देवसहायम पिल्लई को घोषित किया संत

नई दिल्ली (ईएमएस)। देवसहायम पिल्लई को पोप फ्रांसिस ने संत घोषित किया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले भारतीय हैं। उनका जन्म हिंदू परिवार में हुआ था लेकिन उन्होंने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था। वेटिकन में पोप फ्रांसिस ने यह ऐलान किया। पीटर्स बेसिलिका में संतों की सूची में 9 अन्य नाम भी शामिल किए गए हैं। साल 2004 में ही कोट्टर सूब, तमिलनाडु बिशप्स काउंसिल और भारत के कैथोलिक बिशप्स संगठन ने वेटिकन से बीटिफिकेशन की प्रक्रिया में उनको शामिल करने की सिफारिश की थी। देवसहायम पिल्लई ने 1745 में ही ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था और अपना नाम 'लाजरस' रख लिया था। इसका भी अर्थ देवों की सहायता करने वाला होता है। पिल्लई के चमत्कारिक परोपकारी कार्यों को पोप फ्रांसिस ने वर्ष 2014 में मान्यता दी गई थी। इससे वर्ष 2022 में उन्हें (पिल्लई को) संत घोषित किए जाने का रास्ता साफ हो गया था।

जन हितैषी

कांग्रेस का परिवारवाद

हाल के पांच राज्यों में बुरी हार के बाद लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस ने परिवारवाद से तौबा करने का फैसला किया है। उदयपुर में कांग्रेस के चिंतन शिविर में पार्टी ने फैसला किया है कि अब एक परिवार से केवल एक ही टिकट मिलेगा। जिसे भी टिकट दिया जाए, उसने कम से कम 5 साल पार्टी में काम किया हो। सीधे टिकट नहीं दिया जाए। नए आने वालों नेताओं को टिकट नहीं मिलेगा। यहां तक सब कुछ ठीक था, नेताओं को परिवारवाद को लेकर गंभीर पाठ पढ़ाने वाली कांग्रेस में इस बदलाव की चर्चा भी शुरू हो गई, मगर बात जब गांधी परिवार पर आई तो उसे इस नियम में छूट दी जाएगी। यह फार्मूला उन पर लागू नहीं होगा। यानी पार्टी पर गांधी परिवार का एकाधिकार पहले की तरह बना रहेगा, दूसरे नेताओं को परिवारवाद का पाठ याद करके ही आगे बढ़ना होगा। इस दोतरफा फैसले से पार्टी वह संकेत दे पाने में विफल रही, जिसकी उम्मीद लगाई गई थी। यदि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में बुरी तरह पराजित होने के बाद भी गांधी परिवार विक्टिम कार्ड का सहारा लेकर कांग्रेस को अपने कब्जे में बनाए रखना चाहता है, तो पार्टी के साथ-साथ देश को भी अपनी निजी जागीर समझने की अपनी सामंती मानसिकता के कारण ही। इस मानसिकता का प्रमाण यह है कि चुनाव वाले राज्यों के कांग्रेस अध्यक्षों से तो इस्तीफा देने को कह दिया गया, लेकिन गांधी परिवार अपनी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं-और वह भी तब, जब सारे फैसले उसकी ओर से ही लिए गए। यह देखना दयनीय है कि पार्टी संचालन के तौर-तरीकों से असहमत जी-23 समूह के नेताओं में से कपिल सिब्बल को छोड़कर अन्य किसी ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में आस्था जताना बेहतर समझा। देश के 5 राज्यों के चुनाव में आया जनादेश बिल्कुल स्पष्ट है। मतदाता कांग्रेस से पूरी तरह मुंह फेर चुके हैं। किसी ने सोचा भी न था कि भारत की सबसे पुरानी पार्टी को ऐसे दिन भी देखने पड़ेंगे। यह सिलसिला 2014 में शुरू हुआ जब मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने बहुमत से लोकसभा चुनाव जीता। इतने वर्षों बाद भी खुद को संभाल पाने में कांग्रेस विफल रही। भाजपा कांग्रेस पर परिवारवाद चलाने का आरोप लगाती रही। जी-23 नेताओं ने पहले ही पार्टी नेतृत्व से संकट हल करने को कहा था लेकिन इसे बगावत समझा गया। कांग्रेस हाईकमान यह समझने को तैयार नहीं है कि गांधी-नेहरू के नाम पर वोट मांगने का समय बहुत पीछे छूट गया है। नई पीढ़ी अलग तरीके का दृष्टिकोण रखती है। कांग्रेस को पुनः शक्ति हासिल करनी है तो परिवारवाद को पीछे छोड़कर एकजुटता बढ़ाए। पार्टी संगठन का चुनाव कराए और नए नेतृत्व को उभरने दे। कांग्रेस की हार की एक वजह यह भी है। निचले स्तर पर उत्साह से काम करने वालों की बहुत कमी है। किसी भी पार्टी की हार जीत में यही निचले स्तर के कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका होती है। पार्टी कार्यकर्ता को उम्मीद है कि वह अच्छा काम करेगा तो उसे आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। भाजपा कार्यकर्ता पीएम मोदी को देखकर सोच तो सकता है कि वह भी भाजपा का काम कर एक दिन पीएम बन सकता है। पर कांग्रेस का कार्यकर्ता यह सोच नहीं सकता क्योंकि वह जानता है कि वह कितना भी काम कर लें वह एक पीएम नहीं बन सकता। कांग्रेस में पीएम तो गांधी परिवार का सदस्य ही बन सकता है। भाजपा सत्ता में है, इसलिए वह जानती है कि इसी वजह से उसमें आने वाले दिनों परिवारवाद बढ़ेगा, इससे पहले पार्टी के लिए परिवारवाद गंभीर समस्या हो जाए उसका इलाज पीएम मोदी ने शुरू कर दिया है। जबकि कांग्रेस सहित अन्य दलों में परिवारवाद की बीमारी गंभीर बीमारी बन चुकी है।

बुद्ध पूर्णिमा

(16 मई 2022) के अवसर पर विशेष

ठभगवान बुद्ध का चिंतन आज भी प्रासंगिकठ

भगवान बुद्ध भारत की सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। उनका समग्र जीवन दर्शन मानवीय कल्याण के हितार्थ ज्ञान की खोज के लिए मात्र 29 वर्ष की आयु में परम वैभव के साम्राज्य और सांसारिक सुखों के आकर्षण के परित्याग की पराकाष्ठा है। उनका जन्म 583 ईसा पूर्व नेपाल की तराई में लुंबिनी में हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। जिसका अर्थ है अभिलाषा का पूर्ण हो जाना क्योंकि उनके जन्म से सभी की अभिलाषाएं पूर्ण हुई इसलिए उनका नाम सिद्धार्थ रखा गया। पिता शाक्य गणराज्य के राजा शुद्धोधन और माता महामाया थीं। इनके जन्म को हिमालय के तपस्वी ऋषि असिता ने अलौकिक असाधारण बताते हुए स्वयं जीवात्मा के दर्शन करते हुए कहा कि यह बालक समस्त मानव जाति के लिए सिद्धार्थ है। यह या तो चक्रवर्ती सम्राट बनेगा या लोक कल्याण के लिए धर्म चक्र प्रवर्तित करेगा जो इससे पहले संसार में कभी नहीं हुआ है। पिता चाहते थे कि सिद्धार्थ वैराग्य धारण नहीं करें सम्राट बने। इसलिए संसार की समस्त सुख सुविधाएं सिद्धार्थ को उपलब्ध कराई। रूपवती राजकुमारी यशोधरा से विवाह किया बाद में एक पुत्र राहुल की प्राप्ति हुई किंतु वे सांसारिक मोह में बंध न सके। एक दिन मार्ग में उन्होंने अति कृशकाय रोगी, वृद्ध पुरुष तथा एक मृतक को देखा तो सारथी छंदक ने बताया कि एक न एक दिन सभी की यही दशा होनी है। एक साधु को भी देखा। यद्यपि त्रिपिटक आदि ग्रंथों में इन घटनाओं का कोई उल्लेख नहीं है। संसार क्षणिक और दुखद है ये जान वे सब कुछ त्याग कर ज्ञान की खोज में निकल पड़े। 6 वर्षों तक घोर तपस्या की किंतु ज्ञान की पिपासा शांत नहीं हुई।

जनश्रुति है कि स्त्रियों के एक गीत को उन्होंने सुना ठवीणा के तारों को ढीला मत छोड़ो, ढीला छोड़ देने से उनसे सुरीला स्वर ना निकलेगा। तारों को इतना कसो भी मत जिससे वे टूट जाएं।ठ उन्होंने गीत के मर्म को समझा कि किसी भी बात की अति ठीक नहीं। उन्होंने मध्यम मार्ग अपनाया। इसके बाद गया जाकर वट वृक्ष के नीचे इस संकल्प के साथ समाधिस्थ हो गए कि जब तक ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो जाती तब तक वे समाधिस्थ ही रहेंगे। घोर तपस्या के सात दिनों पश्चात उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। वे तथागत और महात्मा बुद्ध हो गए। सबसे पहले बोधगया में बुद्ध ने अपना उपदेश तपस्यु एवं मल्लिक नामक दो बंजारों को दिया। जनसाधारण में ज्ञान की धर्म के रूप में दीक्षा दी। बुद्ध ने बौद्ध संघों की स्थापना की। लगभग 45 वर्षों तक जनसाधारण की भाषा में वे सतत भ्रमण करते हुए धर्म का प्रचार करते रहे। मगध के शासक बिंबिसार एवं अजातशत्रु, कौशल नरेश प्रसेनजीत, प्रसिद्ध गणिका आम्रपाली और स्वयं बुद्ध के पिता एवं पुत्र ने भी उनके धर्म को स्वीकार किया। स्त्रियों को भी धर्म की दीक्षा दी गई। 80 वर्ष की अवस्था में कुसिनारा में बुद्ध ने महापरिनिर्वाण को प्राप्त किया। यह संयोग ही है कि उनका जन्म, ज्ञान की प्राप्ति और मृत्यु वैशाख पूर्णिमा के दिन ही हुई।

बुद्ध ने अपने धर्म की नैतिक व्याख्या की जो प्राणी मात्र की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। इस धर्म में कर्मकांड, अनुष्ठान, पाखंड और अंधविश्वास नहीं है। उन्होंने जीव और जगत को माना। उनका पहला उपदेश धर्म चक्र प्रवर्तन के नाम से विख्यात है जिसके चार प्रमुख सूत्र ही चार आर्य सत्य हैं। पहला आर्य सत्य है कि इस जगत में दुख है। दूसरा तृष्णा के कारण दुख पैदा होता है। तीसरा दुख के निवारण का उपाय है तृष्णा से बचना और चौथा आदमी के स्वयं के प्रयास से ही दुख निवारण संभव है। बुद्ध दुख निवारण को भगवान या भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ते। कोई भी व्यक्ति 'दुख निरोध गामिनी प्रतिपदा' के मार्ग का अनुसरण करते हुए दुखों पर नियंत्रण कर सकता है। यह अष्टांगिक मार्ग है सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाणी, सम्यक कर्म, सम्यक आजीव, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। बुद्ध ने मध्यम मार्ग अपनाते हुए किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार के अतिवादी व्यवहार से बचने का उपदेश दिया क्योंकि जीवन का सार विरोधी अतिवादों के बीच संतुलन की खोज करने में ही निहित है। उनका यह दर्शन आज के भौतिकवादी मूल्यों की चकाचौंध में भी जबकि व्यक्ति की इच्छाओं के अनियंत्रित विस्फोट का दौर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है तब यह और ज्यादा उपादेय व प्रासंगिक प्रतीत होता है। यदि लालसाओं का अंत हो जाए तो आदमी संत हो जाए।

बुद्ध ने अपने धर्म में अपने लिए कोई स्थान नहीं रखा उन्होंने कभी किसी को मुक्त करने का आश्वासन नहीं दिया। वे कहते रहे कि वे मार्गदाता हैं मोक्ष दाता नहीं। उनका धर्म मनुष्यों के लिए एक मनुष्य द्वारा आविष्कृत धर्म था जो मौलिक और अलौकिक है। उन्होंने कभी नहीं कहा कि वे किसी धर्म की स्थापना कर रहे हैं या वे ईश्वर के पुत्र हैं, अवतार या पैगंबर हैं या उन्हें ज्ञान का इलहाम हुआ है। जो बात बुद्धि संगत है तर्कसंगत है वही बुद्ध वचन है। वे धर्म की असमानता और शोषण पर आधारित भेदभाव परक नीतियों और आचरण को छोड़ने के एवं व्यक्ति स्वातंत्र्य और बंधुता के पक्षधर थे। उनकी दृष्टि में धर्म तभी सद्धर्म है जब वह सभी के लिए ज्ञान के द्वार खोल दें। ज्ञान केवल विद्वान बनने के लिए पर्याप्त नहीं है वरन उसके साथ प्रज्ञा, शील, करुणा, प्राणी मात्र के प्रति मैत्री, उदारता और अहिंसा की भावना विश्व की तरह व्यापक होनी चाहिए। यह तभी संभव है जब तमाम सामाजिक भेदभावों की दीवारों को गिरा दें और किसी भी आदमी का मूल्यांकन उसके जन्म से नहीं वरन कर्म से हो। जो धर्म आदमी, आदमी के बीच समानता के भाव की अभिवृद्धि नहीं करता वह धर्म नहीं है क्योंकि आदमी असमान ही जन्म लेते हैं। कुछ मजबूत होते हैं कुछ कमजोर, कुछ अधिक बुद्धिमान होते हैं कुछ कम कुछ एकदम नहीं, कुछ अधिक सामर्थ्यवान होते हैं कुछ कम, कुछ धनी होते हैं तो कुछ गरीब सभी को जीवन संघर्ष में प्रवेश करना पड़ता है और इस जीवन संघर्ष में यदि असमानता को स्वाभाविक स्थिति स्वीकार कर लिया जाए तो जो कमजोर है उसका तो कहीं ठिकाना ही नहीं रहेगा। इसलिए जो धर्म समानता का समर्थक नहीं है वह अपनाने योग्य नहीं है। इस दृष्टि से विश्व के अन्य धर्म प्रवृत्तकों की तुलना में बुद्ध का धर्म अधिक जनतांत्रिक नजर आता है।

बुद्ध ने कहा कि मैं ऐसे किसी सिद्धांत को स्वीकार नहीं कर सकता जिसमें सैकड़ों बातों को यूं ही पहले से ही सही मानकर चलना होता है। उनका दृढ़ विश्वास था कि हर व्यक्ति के भीतर अच्छा इंसान बनने की संभावनाएं होती है बशर्ते उस पर विश्वास कर उसे समुचित अवसर परिस्थितियां प्रदान की जाएं। डाकू अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तन बुद्ध ने अपनी निर्मल वाणी से ही किया था।

एक दिन बुद्ध धनी व्यक्ति के घर भिक्षा मांगने गए। धनी व्यक्ति ने कहा भीख मांगते हो कामकाज क्यों नहीं करते। खेती बारी ही करो। भगवान बुद्ध ने मुस्कराकर कहा खेती ही करता हूं। दिन-रात करता हूं और अनाज भी उगाता हूं। उस धनी व्यक्ति ने पूछा यदि तुम खेती करते हो तो तुम्हारे पास हल-बैल कहां हैं? अन्न कहां है? बुद्ध ने कहा मैं अंतःकरण में खेती करता हूं। विवेक मेरा हल है और संयम तथा वैराग्य मेरे बैल हैं। मैं प्रेम ज्ञान और अहिंसा के बीज बोता हूं और पश्चाताप के जल से सिंचित करता हूं। सारी उपज मैं विश्व को बांट देता हूं। यही मेरी खेती है। बुद्ध से एक दिन एक दुखी व्यक्ति ने कहा कि मैं खुशी हासिल करना चाहता हूं। इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए। बुद्ध ने मुस्कुराते हुए कहा कि एक तो मैं को छोड़ दो क्योंकि वह अहंकार है और दूसरे हासिल करना चाहता हूं को छोड़ दो क्योंकि वह लालसा है। इन दोनों को छोड़ दोगे तो मैं खुशी हासिल करना चाहता हूं मे से खुशी ही शेष बचेगी।

'मैं कहां से आया हूं, किधर से आया हूं, मैं क्या हूं।' बुद्ध इस प्रकार के व्यर्थ के मानसिक संकल्प विकल्प उठाते रहने के समर्थक नहीं थे। बुद्ध ने कहा कि मन ही सभी चीजों का केंद्र बिंदु है वही सब का मूल है मालिक है कारण है। मन ही शासन करता है योजना बनाता है। यदि आदमी का मन शुद्ध होता है तो वह शुद्ध वाणी बोलता है अच्छे कार्य करता है। मन काबू में है तो सब कुछ काबू में है। इसलिए मुख्य बात मन की साधना है। अपने चित्त को निर्मल बनाए रखना ही धर्म का सार है। धर्म धार्मिक ग्रंथों के पाठ में नहीं है बल्कि तन, मन और वाणी की पवित्रता बनाए रखते हुए तृष्णा का त्याग कर धार्मिक जीवन व्यतीत करने में है। परलोकवाद की बजाए इहलोकवाद पर अधिक बल देते हुए बुद्ध ने लोगों से यह नहीं कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य किसी काल्पनिक स्वर्ग की प्राप्ति होना चाहिए। धर्म का राज्य पृथ्वी पर ही है जिसे धर्म पथ पर चलकर प्राप्त किया जा सकता है। इस हेतु बुद्ध ने सात शुभ संकल्पों तथा नैतिक मूल्यों की आचरण संहिता के पालन पर बल दिया जिन्हें दसशील के नाम से जाना जाता है।

बुद्ध की संवेदनशीलता अप्रतिम थी। उनकी प्राथमिकता संसार के सभी प्राणियों के दुख दूर करने की थी। वह कहते हैं तीर से घायल व्यक्ति को देखकर हमारी पहली कोशिश यह होनी चाहिए कि हम उसका तीर निकालें और चिकित्सा करें ना कि उस बेचारे से तीर किसने मारा, क्यों मारा, कैसे मारा जैसे सैद्धांतिक प्रश्न पूछने में समय बर्बाद करें। निसंदेह वर्तमान समय में हमारी संवेदनाएं मृत हो गई हैं। कोविड-19 के विश्वव्यापी संकट ने यह उजागर भी किया है। अब संवेदनाएं सोशल मीडिया की ही विषय वस्तु रह गई है। सचमुच! बुद्ध आज कितने प्रासंगिक प्रतीत होते हैं।

पाली में एक कहावत है कि सूर्य केवल दिन में चमकता है और चंद्रमा रात्रि में लेकिन बुद्ध अपने तेजस्वी व्यक्तित्व से दिन-रात हर समय प्रकाशित रहते हैं। वे समस्त लोक के प्रकाश स्तंभ अर्थात भुवनप्रदीप थे। दुखियों का दुख दूर करने वाले मानसिक दुखों के महान चिकित्सक बुद्ध को ही यह गौरव प्राप्त है कि उन्होंने आदमी में मूलतः विद्यमान उस निहित शक्ति को पहचाना जो बिना किसी बाह्य निर्भरता के उसे मोक्ष पथ पर अग्रसर कर सकती है। उनका चिंतन कितना शाश्वत है कि जीवन का सार संतुलन में है उसे किसी भी अतिवाद के मार्ग पर ले जाना अर्थहीन है। प्रत्येक व्यक्ति के अंतस में सृजनात्मक सामर्थ्य की असीम संभावनाएं हैं। इसलिए व्यक्ति को आत्म दीपो भव अर्थात अपना दीपक स्वयं बनते हुए किसी का अंधानुकरण नहीं करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को 'मैं' के अहंकार भाव से बचते हुए सभी को साथ लेकर चलना चाहिए जो कि जनतांत्रिक और मानवीय गरिमा का सम्मान है। सिर्फ अपने लिए जीना क्या जीना है? उनके विचारों की उपादेयता संदेह से परे है। वे अतीत में भी प्रासंगिक थे आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगे। (लेखक मध्य प्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रह चुके हैं।) (लेखक/ ईएमएस--डॉ अशोक कुमार भार्गव, आईएएस)

डेंगू को फैलने न दे, लक्षणों को पहचाने और खुद काबू करें

(16 मई : राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर विशेष)

आज के समय में डेंगू काफी गंभीर बीमारियों में से एक है। दुनियाभर में हर साल इस घातक बीमारी से करोड़ो लोगों की जान चली जाती है। बारिश के मौसम के शुरूआती दौर में सबसे ज्यादा डेंगू के मामले सामने आते हैं और इस वक्त में ही सबसे ज्यादा एहतियात रखने की जरूरत पड़ती है। मानसून आने के पहले ही हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे का मकसद लोगों को इस घातक बीमारी के प्रति जागरुक करना है। हर साल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से डेंगू दिवस मनाया जाता है।

सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, डेंगू संक्रमण दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में होने वाली एक आम समस्या है और लगभग 3 बिलियन लोग डेंगू से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं। इनमें भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य भाग, चीन, अफ्रीका, ताइवान और मैक्सिको शामिल हैं। नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (एनवीबीडीसीपी) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 में सिर्फ भारत में डेंगू के 67,000 से भी अधिक मामले दर्ज किए गए थे। इस रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि वर्ष 2017 डेंगू के मामले में भारत के लिए सबसे खराब साल था। 2017 में लगभग 1.88 लाख डेंगू के मामले दर्ज किए गए थे, जिसमें से 325 लोगों ने इसके कारण अपनी जान गंवा दी थी।

डेंगू एक मच्छर जनित वायरल इंफेक्शन या डिजीज है। डेंगू बुखार को हड्डी तोड़ बुखार भी कहते हैं। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू होता है। यह संक्रमण फ्लेविविरिडे परिवार के एक वायरस के सेरोटाइप- डीईएनवी-1, डीईएनवी-2, डीईएनवी-3 और डीईएनवी-4 के कारण होता है। हालांकि, ये वायरस 10 दिनों से अधिक समय तक जीवित नहीं रहते हैं। जब डेंगू का संक्रमण गंभीर रूप ले लेता है, तो डेंगू रक्तस्त्रावी बुखार या डीएचएफ होने का खतरा बढ़ जाता है। इसमें भारी रक्तस्त्राव, ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट, यहां तक कि पीड़ित व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। डीएचएफ को डेंगू शॉक सिंड्रोम भी कहा जाता है। अधिक गंभीर मामलों में तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराने की जरूरत होती है वरना पीड़ित की जान भी जा सकती है। डेंगू का कोई विशिष्ट या खास उपचार उपलब्ध नहीं है। सिर्फ इसके लक्षणों को पहचानकर ही आप इस पर काबू पा सकते हैं।

इस बीमारी की गंभीरता को देखते हुए हर सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्य की लगातार विज्ञापनों और अन्य माध्यमों से लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करने का काम करती आ रही है। डेंगू की गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए सरकारी स्तर पर कई कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। डेंगू का लार्वा मुख्य तौर पर जमे हुए साफ पानी में पैदा होता है और इसे पनपने के लिए जुलाई से लेकर अक्टूबर का वक्त काफी मुफीद होता है। यही वजह है कि इस वक्त में काफी सतर्क रहना जरूरी होता है। पहले के मुकाबले लोगों में डेंगू की बीमारी को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है बावजूद इसके अब भी देश के अंदरूनी इलाकों में इस बीमारी के प्रति और जागरूकता फैलाने की जरुरत है। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू की बीमारी होती है।

डेंगू हल्का या गंभीर दोनों हो सकता है। ऐसे में इसके लक्षण भी अलग-अलग नजर आते हैं। खासतौर से बच्चों और किशोरों में माइल्ड डेंगू होने पर कई बार कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं। संक्रमित होने के बाद डेंगू के हल्के लक्षण चार से सात दिनों के अंदर नजर आने लगते हैं। इन लक्षणों में तेज बुखार के साथ सिरदर्द, मांसपेशियों, हड्डियों और जोड़ों में दर्द, उल्टी, जी मिचलाना, आंखों में दर्द होना, त्वचा पर लाल चकत्ते होना और ग्लैंड्स में सूजन होना लक्षण भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, गंभीर मामलों में रक्तस्त्रावी बुखार या डीएचएफ के होने का खतरा बढ़ जाता है। इस स्थिति में, रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और रक्त में प्लेटलेट काउंट की कमी होने लगती है। ऐसी स्थिति में गंभीर पेट दर्द, लगातार उल्टी होना, मसूड़ों या नाक से रक्तस्राव, मूत्र, मल या उल्टी में खून आना, त्वचा के नीचे रक्तस्राव होना, जो चोट जैसा नजर आ सकता है, सांस लेने में कठिनाई, थकान महसूस करना और चिड़चिड़ापन या बेचैनी लक्षण नजर आ सकते हैं।

डेंगू के जोखिम कारक की बात करें तो इसके कई कारक होते हैं, जो डेंगू से संक्रमित होने के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

डेंगू पीड़ित क्षेत्र में रहना : यदि आप उन क्षेत्रों में रहते हैं, जहां एडीज मच्छरों का प्रकोप अधिक है, तो आपके डेंगू से संक्रमित होने की संभावना स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

पहले डेंगू संक्रमण होना : जिन लोगों को एक बार डेंगू हो जाता है, उनमें इस वायरल संक्रमण से प्रतिरक्षा नहीं हो पाती है। ऐसे में जब आपको दूसरी बार डेंगू होता है, तो अधिक गंभीर रूप से प्रभावित होने की संभावना बढ़ जाती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होना : जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उनमें भी डेंगू होने की संभावन अधिक होती है। ऐसे में बुजुर्ग लोग डेंगू के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। साथ ही, मधुमेह, फेफड़ों के रोग और हृदय रोग से पीड़ित लोगों में भी डेंगू होने की आशंका बढ़ जाती है।

लो प्लेटलेट काउंट : डेंगू तब और अधिक गंभीर हो जाता है, जब पीड़ित व्यक्ति के रक्त में प्लेटलेट (थक्का बनाने वाली कोशिकाएं) काउंट काफी कम होने लगता है। ऐसे में यदि आपका प्लेटलेट काउंट का स्तर पहले से ही कम है, तो दूसरों की तुलना में डेंगू से जल्दी संक्रमित हो सकते हैं।

डेंगू से बचाव के लिए हमें कई बातों का रखें ध्यान चाहिए जैसे डेंगू का मच्छर आम मच्छरों से अलग होता है और ये दिन की रोशनी में काटता है। ऐसे में घर और आसपास मच्छरों को पनपने ना दें। गर्मियों के चलते लगभग सभी घरों में कूलर का यूज किया जाता है। कूलर में पानी जमा होने से उसमें डेंगू का लार्वा पैदा होने का खतरा बढ़ता है। ऐसें में कूलर का पानी समय-समय पर बदलते रहना चाहिए और कूलर का उपयोग होने के तत्काल बाद उसका पानी खाली कर देना चाहिए। घर की छत पर रखे गमलों या किसी अन्य चीज में पानी जमा न होने दें। ऐसे डेंगू लार्वा पैदा हो सकते हैं। अपने घर के अलवा आसपास की जगहों पर पानी जमा ना होने दें वरना उसमें भी डेंगू के लार्वा तेजी से फैलते हैं। मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी, स्प्रे का प्रयोग करें और कोशिश करें मच्छर के काटने से बचें और इस घातर बी मारी से भी बचें। (लेखक - बी. डेविड/ईएमएस)

आज का इतिहास 16 मई

- 1568 स्काट्स की रानी मेरी ने इंग्लैंड में शरण ली.
- 1770 मेरी एंटोनियो का विवाह फ्रांस नरेश लुई16वें से हुआ.
- 1811 निकोलस सोल्ट के नेतृत्व में फ्रांसीसी फौजों को ब्रिटिश फौजों ने अल्बुहेरा में रोक दिया.
- 1929 हालीवुड में अकादमी पुरस्कारों की शुरुआत हुई थी जिन्हें 1931 में आस्कर नाम दिया गया.
- 1932 जापान के प्रधानमंत्री सुयोसी इनुकाई की हत्या हुई.
- 1960 भारत और इंग्लैंड के बीच टेलेक्स सेवा शुरु हुई.
- 1963 अमरीकी अंतरिक्ष यात्री मार्डन कूपर अंतरिक्ष में 22 चक्कर लगाने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे.
- 1967 ब्रिटेन के यूरोपीय आर्थिक समुदाय में शामिल होने के मुद्दे पर फ्रांस में वोटो किया.
- 1969 सोवियत अंतरिक्ष यान शुक्र ग्रह पर उतरा.
- 1975 सिक्किम भारत का 22वाँ राज्य बना.
- 1975 जापान की जुंको ताबेई एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला बनी.
- 1989 लेबनान में कार बम विस्फोट में एक धार्मिक नेता सहित 22 व्यक्ति मारे गए.
- 1996 अटलबिहारी वाजपेयी व उनके मंत्रिमंडल ने शपथ ली.
- 2000 सूचना प्रोद्योगिक बिल को संसद में मंजूरी.
- 2000 रंगमंच व सिने अभिनेता सज्जन का निधन.
- 2001 मणिपुर में तीन पादरियों की हत्या.
- 2004 नवीन पटनायक उड़ीसा के पुनः मुख्यमंत्री बने.

शब्द पहेली - 7287

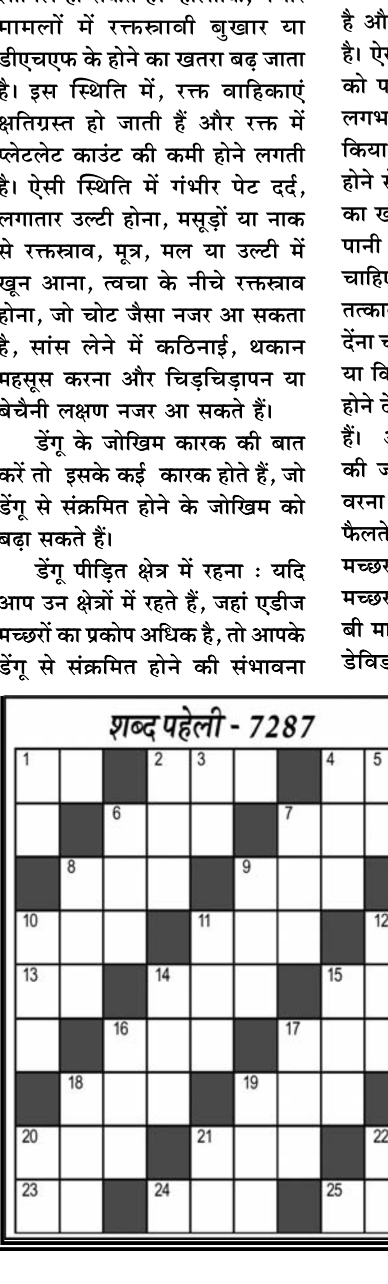

बाएँ से दाएँ

1. जी.हुजूर,चित्त-2
2. तन,बदन,देह-3
4. अधिकृत-2
6. रनिवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्राम-3
9. राजा,सम्राट-3
10. वचन,प्रतिज्ञा-3
11. तरंग,हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सड़ी का विलोम-3
15. सदृश्य-2
16. पाठ,शिक्षा-3
17. कार्य,कार्य करने वाला-3
18. इज्जत,मान,सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन,प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन,लेखनी-2
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. राग,मोह,अभिप्राय-2
2. लाज,लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया,जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध,नाजायज-3
7. निगाह,दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम,मदद-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. लगन,जिद,हठ-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान,तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रनिवास (उर्दू-3)
20. जी,हुजूर,चित्त-2
21. समयगति-2
22. देह,बदन-2

शब्द पहेली -7286 का हल

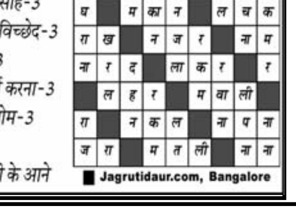

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.19 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	07.17 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	09.30 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.47 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	13.58 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.09 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.24 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.40 बजे से
केतु	तुला में	मकर	22.45 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	00.32 बजे से
		मीन	02.04 बजे से
		मेष	03.35 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 136 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 09.44 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 13.18 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 06.17 बजे तदनन्तर परिघ 02.31 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 09.44 बजे तदनन्तर बालव 20.07 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 03' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871250 **जूलियन दिन** 2459715.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 14 **विशेष** स्नानदान, वैशाख पूर्णिमा, गुरु गोरखनाथ प्रगटन दिवस, महाराज भृगु व टेकचंद महाराज जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखने आज उतरेंगी दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स

नई मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच प्ले ऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने मुकाबला होगा। ऐसे में यह दोनों ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। इस मुकाबले में जो भी टीम हारेगी वह प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दोनो ही टीमों के अभी 12 - 12 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के आधार पर दिल्ली की टीम पांचवे जबकि पंजाब किंग्स की टीम सातवे स्थान पर है। ऐसे दिल्ली को दो या अधिक टीम के समान अंक होने की स्थिति में लाभ मिल सकता है।

दिल्ली ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को हराया था, इसलिए वह बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। वहीं पंजाब किंग्स ने भी अपने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को हराया था , इसलिए उसका आत्मविश्वास भी बढ़ हुआ रहेगा। दिल्ली की बल्लेबाजी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर आधारित रहेगी। वॉर्नर ने अब तक टीम को अच्छी शुरुआत दी है पर उन्हें अच्छा जोड़ीदार नहीं मिल पा रहा है। मनदीप सिंह और श्रीकर भरत अब तक सलामी जोड़ीदार के तौर पर नाकाम रहे हैं। वहीं पृथ्वी शॉ को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है पर उनके खेलने की उम्मीदें नहीं हैं। दिल्ली के लिए राहत की बात यह है कि मिशेल मार्श लय में आ गए हैं। उन्होंने पिछले मैच में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था।

इसके अलावा कप्तान ऋषभ को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। इसके अलावा रोवमैन पावेल ने भी पिछले मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर दिखाया है कि शीर्ष क्रम से मदद मिलने पर वह टीम को मैच जिता सकते हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज कागिसो रबादा के पास है जिनका सामना करना दिल्ली के लिए आसान नहीं रहेगा। इसके अलावा पंजाब के पास अर्शदीप सिंह के तौर पर एक और बेहतरीन तेज गेंदबाज है पर स्पिनर राहुल चाहर ने अबतक निराश किया है। वहीं दिल्ली की ओर से गेंदबाजी की कमान एनरिच नोर्किया के पास रहेगी। युवा तेज गेंदबाज चेतन सकारिया ने पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी पर शार्दुल ठाकुर अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं और महंगे साबित हुए हैं। पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान मयंक अग्रवाल , जॉनी बेयरस्टो, लियाम लिविंगस्टोन, शिखर धवन और भानुका राजपक्षे के पास रहेगी। ऐसे में दिल्ली के गेंदबाजों के लिए इन खिलाड़ियों पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। बेयरस्टो और लिविंगस्टोन की जोड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकती है।

धवन ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है और वह पंजाब के शीर्ष स्कोरर हैं और इस मुकाबले में टीम को उनसे बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। धवन के साथ पारी की शुरुआत करने के बाद बेयरस्टो ने भी लय हासिल कर ली है और यह टीम के लिए राहत की बात है। राजपक्षे को हालांकि अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने की जरूरत है।

जोकोविच ने करियर की 1000वीं जीत दर्ज की की

स्वियाटेक भी फाइनल में पहुंची

रोम (ईएमएस)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने सेमीफाइनल में अच्छा प्रदर्शन करते हुए नार्वे के कास्पर रूड को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। जोकोविच ने इसी के साथ ही अपने करियर की 1000वीं जीत दर्ज की। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले जिमी कोनर्स(1,274 जीत), रोजर फेडरर (1,251), इवान लेंडल (1,068) और रफेल नडाल (1,051) के बाद पांचवें पुरुष खिलाड़ी हैं। मैच के बाद जोकोविच को केक दिया गया जिस पर '1,000' लिखा था। अब जोकोविच का मुकाबला फाइनल में यूनान के स्टीफानोस सितसिपास से होगा। इस मुकाबले को जीतकर यह सर्बियाई खिलाड़ी अपना छठा खिताब जीतने का प्रयास करेगा।

इससे पहले कोरोना वायरस टीकाकरण नहीं होने के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलियाई ओपन सहित कई टूर्नामेंटों में भाग नहीं लेने दिया गया था। वहीं एक अन्य सेमीफाइनल में सितसिपास ने एलेक्सांद्र ज्वेरेव को कड़े मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार यहां खिताबी मुकाबले में स्थान बनाया। वहीं महिला वर्ग के सेमीफाइनल में पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने एरिना सबालेंका को 6-2, 6-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल में स्वियाटेक का सामना ओन्स जेबुर से होगा

तीन माह में तीन क्रिकेटरों की मौत से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट शोक में डूबा

रॉड मार्श के बाद वार्न और साइमंड्स को खोया

सिडनी (ईएमएस)। पिछले तीन माह में तीन दिग्गज क्रिकेटरों की मौत से ऑस्ट्रेलियाई खेल जगत सबमें में है। इसकी शुरुआत 4 मार्च को पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रॉड मार्श के निधन से हुई। 4 मार्च को ही मार्श के निधन से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट उबरा भी नहीं था कि लेग स्पिनर शेन वॉर्न की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। 74 साल के मार्श की तरह ही 52 साल के वॉर्न की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई थी। वहीं अब पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स एक सड़क हादसे का शिकार हुए हैं। मार्श को दिल के दौरे के बाद रॉयल एडिलेड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद वह कोमा में चले गए थे। इसके बाद इलाज के दौरान ही उनका निधन हो गया। वहीं मार्श के बाद 4 मार्च को ही वार्न का भी दिल के दौरे से निधन हो गया। वह छुट्टियां मनाने के लिए थाईलैंड के कोह सामुई गये थे।

रसेल आईपीएल में सबसे तेजी से 2000 बनाने वाले बल्लेबाज बने

पुणे (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर एक और रिकार्ड बनाया है। इस मैच में रसेल ने 49 रनों की अपनी पारी के दौरान ही आईपीएल में अपने 2000 हजार भी पूरे किये हैं। रसेल ने अपने 2000 हजार रन सबसे कम 1120 गेंद पर बनाये। इससे पहले यह रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम था। उन्होंने सबसे कम 1211 गेंद पर ये रन बनाये थे। रसेल ने आईपीएल में 97 मैच की 81 पारियों में 31 की औसत से 2030 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने नाबाद 88 रन की सबसे बड़ी पारी खेलने के साथ ही 10 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट 179 का है

रसेल ने आईपीएल के इस सत्र में 13 मैचों में 14 की औसत से 17 विकेट लिए हैं। 5 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। यह उनका एक आईपीएल सत्र का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने 2016 में सबसे अधिक 15 विकेट लिए थे। उन्होंने आईपीएल में 88 पारियों में 89 विकेट लिए हैं। 15 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2 बार 4 और एक बार 5 विकेट लेने की उपलब्धि उनके नाम है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर साइमंड्स की कार हादसे में मौत

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स की एक कार हादसे में मौत हो गयी है। प्राप्त जानकारी के अनसार यह हादसा शनिवार रात हुआ। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस हादसे की खबर के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में शोक की लहर है।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, 'शुरुआती जानकारी से पता चला कि रात 11 बजे के बाद एलिस रिवर ब्रिज के पास हर्वे रेंज रोड पर साइमंड्स कार से जा रहे थे तभी कार अनियंत्रित होने से दुर्घटनागस्त हो गयी। आपदा राहत दल ने साइमंड्स को बचाने का प्रयास किया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। फोरेंसिक क्रैश यूनिट इस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।'

गौरतलब है कि ऑलराउंडर साइमंड्स साल 1998 से 2009 के बीच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अहम सदस्य थे। इस क्रिकेटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 26 टेस्ट, 198 वनडे और 14 टी20 मुकाबले खेले थे। टेस्ट में उनके नाम 1462, वनडे में 5088 और टी20 में 337 रन दर्ज है। तीनों फार्मेट में उन्होंने 165 विकेट लिए हैं। उन्हें फील्ड पर अपने आक्रामक अंदाज और फील्डिंग के लिए जाना जाता था।

वह साल 2003 में एकदिवसीय विश्व कप, साल 2006 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2007 में वनडे विश्वकप जीतने वाली टीम में शामिल सदस्य थे। साइमंड्स ने अपने पहले ही विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ छठे नंबर पर उतरकर नाबाद 143 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। इसके बाद से ही वह टीम में एक शानदार ऑलराउंडर के तौर पर उभरे थे। साइमंड्स आईपीएल के शुरुआती संस्करण 2008 में डेक्कन चार्जर्स में शामिल थे। साइमंड्स ने 39 आईपीएल मैचों में 36 की औसत से 974 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और पांच अर्धशतक जड़ा है के अलावा 20 विकेट भी लिए थे।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को कुछ ही समय के अंदर यह दूसरा झटका लगा है। इससे पहले दिग्गज स्पिनर शेन वार्न की मालदीव के एक होटल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी थी।

वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही प?रिणाम से तय होगी बाजार की ?दिशा

- बाजार भागीदारों की नजरें विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख पर भी रहेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह अप्रैल के थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े, वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही प?रिणामों से घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय होगीफ। बाजार के ?विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। इसके अलावा बाजार भागीदारों की नजरें विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख पर भी रहेगी, जो पिछले कुछ दिनों से घरेलू बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं। मुद्रास्फीति और केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने मौद्रिक रुख को सख्त करना दुनियाभर के बाजारों के लिए चिंता का विषय है। स्थानीय बाजार में मंदड़िये हावी हैं, लेकिन उन्होंने कुछ अधिक बिकवाली की है जिससे उनके रुख में बदलाव आ सकता है। उनका कहना है ?कि अमेरिकी बाजार में बिकवाली चल रही है। विशेष रूप से निवेशक प्रौद्योगिकी शेयर बेच रहे हैं। हालांकि, पिछले दो कारोबारी सत्रों में कुछ स्थिरता देखने को मिली हैं। ऐसे में आगे कुछ राहत की उम्मीद की जा सकती है। इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर बड़े घटनाक्रमों के अभाव में बाजार की दिशा वैश्विक रुझानों से तय होगी। हालांकि, कंपनियों के चौथी तिमाही के परिणामों के मद्देनजर कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। उनका मानना है कि घरेलू मोर्चे पर जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 17 मई को सूचीबद्ध होना है और यह प्रमुख उत्प्रेरक साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि एफआईआई बिकवाली कर रहे हैं ?कि ऐसे में घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) इसकी भरपाई करने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में उनके रुख पर भी सभी की निगाह रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा डॉलर इंडेक्स का रुख, कच्चे तेल के दाम और रुपए का उतार-चढ़ाव भी घरेलू बाजारों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की नजरें अप्रैल के थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी, जो मंगलवार को आने वाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि बांड पर बढ़ता प्रतिफल, मुद्रास्फीति का ऊंचा स्तर और वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख को सख्त किए जाने का निकट भविष्य में बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा। तिमाही नतीजों की वजह से कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इस सप्ताह भारती एयरटेल, डीएलएफ, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, आईटीसी, आईडीएफसी, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी के तिमाही नतीजे आने हैं। रुपए की कमजोरी, ऊंची मुद्रास्फीति और चीन में लॉकडाउन की वजह से पिछले सप्ताह बाजारों में उतार-चढ़ाव रहा। आगे चलकर फेडरल रिजर्व के उपायों से मुद्रास्फीति में गिरावट की रफ्तार से बाजार की दिशा तय होगी।

विदेशी निवेशकों ने मई में अब तक शेयर बाजारों से 25,200 करोड़ निकाले

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, ऊंची मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक रुख का असर शेयर बाजारों पर पड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का ?निकासी का ?सिल?सिला जारी है। एफपीआई ने मई के पहले पखवाड़े में भारतीय बाजारों से 25,200 करोड़ रुपए ??निकाल ?लिए हैं। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरें बढ़ने और कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच विदेशी निवेशक लगातार भारतीय शेयरों से अपना निवेश निकाल रहे हैं। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, ऊंची मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक रुख का असर शेयर बाजारों पर पड़ा है। इसके अलावा निवेशक मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर पर रहने के बीच वृद्धि को लेकर भी चिंतित हैं। हमारा मानना है कि निकट भविष्य में भी एफपीआई का रुख उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अप्रैल, 2022 तक लगातार सात माह बिकवाल रहे और उन्होंने भारतीय शेयरों से 1.65 लाख करोड़ रुपए निकाले। आगामी सप्ताहों में भी एफपीआई की निकासी जारी रहेगी। इस समय भारतीय शेयरों में एफपीआई की हिस्सेदारी घटकर 19.5 प्रतिशत पर आ गई है, जो मार्च, 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

लगातार छह माह तक बिकवाली के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 7,707 करोड़ रुपये डाले थे। हालांकि, उसके बाद 11 से 13 अप्रैल के दौरान कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में उनकी निकासी फिर शुरू हो गई। उसके बाद से वे लगातार बिकवाल बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार दो से 13 मई के दौरान एफपीआई ने शेयरों से करीब 25,216 करोड़ रुपए की निकासी की है। ??पिछली चार मई को रिजर्व बैंक ने बिना तय कार्यक्रम के रेपो दर को 0.4 प्रतिशत बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत कर दिया था। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने भी ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की है। निवेशकों को अब यह आशंका है कि आगे चलकर ब्याज दरों में और वृद्धि हो सकती है। इसकी वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

कोरोना से ज्यादा खतरनाक है वायरस मंकीपॉक्स

- चूहों या बंदरों से इंसानों में फैलता है यह वायरस

वाशिंगटन (ईएमएस)। आजकल यूके में कोरोना वायरस से ज्यादा खतरनाक वायरस मंकीपॉक्स का खतरा मंडराने लगा है। यह वायरस जानवरों जैसे चूहों या बंदरों से इंसानों में फैलता है। पिछले दिनों एक व्यक्ति के मंकीपॉक्स वायरस से संक्रमित होने का पहला मामला सामने आया है। खबरों के अनुसार, जिस व्यक्ति में मंकीपॉक्स वायरस पाया गया है, उसने हाल ही में नाइजीरिया की यात्रा की थी। फिलहाल उस संक्रमित व्यक्ति का इलाज लंदन के सेंट थॉमस हॉस्पिटल में चल रहा है।

आइए जानते हैं, क्या है मंकीपॉक्स डिजीज, कैसे नजर आते हैं इसके लक्षण और कैसे होती है यह बीमारी। मंकीपॉक्स मुख्य रूप से चूहों और बंदरों के जरिए इंसानों को होता है। यदि इन रोडेंट्स या जानवरों में मंकीपॉक्स वायरस मौजूद होगा, तो व्यक्ति के इनसे संपर्क में आने से वो भी संक्रमित हो सकता है। यह एक दुर्लभ बीमारी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मंकीपॉक्स वायरस ज्यादातर जंगली जानवरों जैसे कि रोडेंट्स यानी चूहों, बंदरों और प्राइमेट्स से लोगों में फैलता है। साथ ही यह एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलता है। मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक डिजीज है, जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में होती है और कभी-कभी ये दूसरे क्षेत्रों में भी फैल सकती है। मंकीपॉक्स, मंकीपॉक्स वायरस के कारण होता है, जो पॉक्सविरिडे फैमिली में ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस का एक सदस्य है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मंकीपॉक्स वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में घावों, शरीर के तरल पदार्थों, खांसने-छींकने से निकलने वाले ड्रॉपलेट्स और दूषित सामग्री जैसे बिस्तर के संपर्क में आने से फैलता है। आमतौर पर, मंकीपॉक्स से पीड़ित हर दसवें व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। जिसमें अधिकांश मौतें कम आयु वर्ग में होती हैं। मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति में बुखार, तीव्र सिरदर्द, कमर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, शरीर में अत्यधिक रूप से ऊर्जा की कमी, स्किन रैशेज, त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते होना, शरीर पर लाल रंग के दाने होना, ठंड महसूस होना, लिम्फ नोड्स में सूजन होना आदि कुछ आम लक्षण नजर आते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि मंकीपॉक्स के लिए वर्तमान में कोई इलाज मौजूद नहीं है। इस वायरस को और अधिक गंभीर होने, लक्षणों को बढ़ने से रोकने के लिए स्मॉलपॉक्स का वैक्सीन लगाया जाता है, जो लगभग 85 प्रतिशत प्रभावी पाया गया है। ऐसे में मंकीपॉक्स के गंभीर लक्षणों को रोकने के लिए बचपन में ही हर बच्चे को चेचक का टीका लगवाना चाहिए।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मंकीपॉक्स के रोगियों में त्वचा फटने की समस्या भी नजर आ सकती है, जो बुखार होने के 1 से 3 दिनों के भीतर नजर आ सकता है। इसमें रैशेज चेहरे पर अधिक नजर आते हैं, साथ ही हथेलियों, तलवों, कोर्निया, कन्जंक्टिवाइटिस, जननांगों को भी प्रभावित करता है। मंकीपॉक्स का इंक्यूबेशन पीरियड (संक्रमण से लक्षणों की शुरुआत तक) आमतौर पर 6 से 13 दिनों तक होती है, लेकिन 5 से 21 दिनों तक भी हो सकती है।

डब्ल्यूटीओ की बैठक जून में: वाणिज्य मंत्रालय 18 मई को अंतर-मंत्रालयी चर्चा करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय की बैठक अगले माह जिनेवा में होगी। इस बैठक से पहले वाणिज्य मंत्रालय 18 मई को अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श करेगा। इसमें डब्ल्यूटीओ की आगामी बैठक से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। डब्ल्यूटीओ का 12वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 12 से 15 जून तक जिनेवा में होगा। 164 सदस्यीय बहुपक्षीय संगठन वैश्विक व्यापार नियम बनाता है और सदस्यों देशों के बीच व्यापार से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है। समझा जाता है कि बैठक में मत्स्यपालन सब्सिडी पर प्रस्तावित करार, कृषि, डिजिटल व्यापार या ई-कॉमर्स, महामारी को लेकर डब्ल्यूटीओ की प्रतिक्रिया मसलन बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलू यानी ट्रिप्स की छूट, संयुक्त वक्तव्य पहल (जेएसआई) से संबंधित मामलों के अलावा डब्ल्यूटीओ में सुधारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होगी।

जेएसआई बातचीत का एक तरीका है, जिसे डब्ल्यूटीओ के कुछ सदस्य देशों ने कुछ विशेष मुद्दों पर शुरू किया है और इसमें सहमति वाली निर्णय प्रक्रिया के नियम को पूरा किए बिना कुछ मुद्दों पर चर्चा की जाती है। डब्ल्यूटीओ के सदस्यों के बीच प्रस्तावित मत्स्यपालन सब्सिडी पर बातचीत चल रही है। इसका मकसद सतत मत्स्यपालन के लिए अनुशासित सब्सिडी प्रदान करना, गैरकानूनी और गैर-विनियमित और बिना सूचना वाली (आईयूयू) सब्सिडी को बंद करना शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि 18 मई को होने वाली चर्चा में विभिन्न विभागों मसलन कृषि, पर्यावरण, उपभोक्ता मामले, पशुपालन, मत्स्यपाल, महिला एवं बाल विकास, एमएसएमई, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी के सचिव और फार्मा सचिव भी भाग लेने वाले हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), आरआईएस, एनसीएईआर, इक्रियर और नेशनल ऐकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के प्रतिनिधियों को भी बैठक के लिए बुलाया गया है।

न्यूयॉर्क में बफ़ेलो के सुपरमार्केट में गोलीबारी से 10 लोगों की मौत

- पु?लिस ने बंदूकधारी को हिरासत में ले लिया

बफ़ेलो (ईएमएस)। न्यूयॉर्क के बफ़ेलो स्थित एक सुपरमार्केट में शनिवार को 10 लोगों को गोली मार दी गई। पुलिस ने कहा कि बंदूकधारी को हिरासत में ले लिया गया है। टॉप फ्रेंडली मार्केट में हुई गोलीबारी की चपेट में आए और लोगों के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिली है। गवर्नर कैथी होचुल ने ट्वीट किया कि वह उनके गृहनगर बफ़ेलो में एक किराने की दुकान पर हुई इस घटना को लेकर अधिकारियों के संपर्क में हैं। पुलिस के मुताबिक गोलीबारी से पहले हमलावर ने इस घटना को ऑनलाइन दिखाने के लिए कैमरे का इस्तेमाल किया। फिलहाल पुलिस ने 18 साल के इस हमलावर को हिरासत में ले लिया है। हालांकि अभी इसका नाम नहीं बताया गया है। जानकारी के मुताबिक जिस इलाके में ये गोलीबारी की घटना हुई है वहां ज्यादातर अश्वेत रहते हैं। अधिकांश पीड़ित अश्वेत ही हैं। बफ़ेलो के पुलिस अ?धिकारी ने कहा कि 13 लोगों को गोली मारी गई, इनमें से 10 की मौत हो गई बाकी लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। कहा जा रहा है कि संदिग्ध ने शहर के इस इलाके तक पहुंचने के लिए कई घंटों तक गाड़ी चलाई। सुपरमार्केट में काम करने वाले 3 लोग गंभीर रुप से घायल हैं। यहां सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहे एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी ने संदिग्ध को गोली मारने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध के पास एक ताकतवर राइफल थी और उसने हेलमेट भी पहना था। बाद में उसने अपना हथियार सरेंडर कर दिया। एफबीआई के बफ़ेलो ऑफिस के एक एजेंट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा ?कि हम इस घटना की जांच घृणा अपराध और नस्लीय रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथ के तौर पर कर रहे हैं।

जी-7 देशों के समूह ने कहा, यूक्रेन में युद्ध वैश्विक खाद्य और ऊर्जा संकट को बढ़ रहा

वेसेनहॉस (ईएमएस)। विकसित अर्थव्यवस्था वाले सात देशों के समूह ने आगाह किया कि यूक्रेन में युद्ध वैश्विक खाद्य और ऊर्जा संकट को बढ़ रहा हैं, जिससे गरीब देशों को खतरा है। जी-7 ने कहा कि यूक्रेन से अनाज के भंडार के अवरोध को हटाने के लिए तत्काल उपायों की आवश्यकता है, जिसके मार्ग में रूस अड़चनें पैदा कर रहा है। वेसेनहॉस में तीन दिवसीय बैठक के अंत में जारी बयान में जी-7 ने सबसे कमजोर लोगों को और मानवीय सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया। बैठक की मेजबानी करने वालीं जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बारबॉक ने कहा कि युद्ध एक ''वैश्विक संकट'' बन गया है।

बारबॉक ने कहा कि आने वाले महीनों में पांच करोड़ लोग विशेष रूप से अफ्रीका और मध्य पूर्व में, भुखमरी का सामना करने वाले हैं। जब तक कि यूक्रेन के अनाज भंडार को जारी के तरीके नहीं मिल जाते। जी-सात ने कहा, रूस के युद्ध ने हाल के इतिहास में सबसे गंभीर खाद्य और ऊर्जा संकटों में से एक को उत्पन्न किया है, जो अब दुनिया भर में सबसे कमजोर लोगों के लिए खतरा बन गया है।'' बयान में कहा गया, ''हम वैश्विक खाद्य सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए एक समन्वित बहुपक्षीय उपाय में तेजी लाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में अपने सबसे कमजोर भागीदारों के साथ खड़े हैं।वहीं कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि उनका देश यूरोपीय बंदरगाहों पर जहाज भेजने के लिए तैयार है, ताकि यूक्रेन का अनाज जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके। जी-सात में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका शामिल हैं।

जी-सात देशों ने चीन से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की अवहेलना कर रूस की मदद नहीं करने और यूक्रेन में रूस की कार्रवाई को उचित नहीं ठहराने का आह्वान किया। वेसेनहॉस में विदेश मंत्रियों ने भू-राजनीति, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए युद्ध के व्यापक प्रभावों और जलवायु परिवर्तन तथा महामारी से निपटने के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर भी चर्चा की। जी-7 के बयान में कहा कि सदस्य देशों ने अफगानिस्तान की स्थिति, मध्य पूर्व में तनाव सहित अन्य वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने मित्र देशों से कीव को और अधिक सैन्य सहायता प्रदान करने तथा रूसी नागरिकों की विदेशों में संपत्तियों पर रोक लगाने समेत रूस पर और दबाव बनाने की अपील की थी।

कुलेबा ने कहा कि यूक्रेन के भंडार में फंसे अनाज की आपूर्ति को खोलने और युद्ध को समाप्त करने के लिए राजनीतिक समझौते पर पहुंचने के बारे में रूस से बात करने के लिए तैयार है, लेकिन अभी तक मास्को से ''कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

शरद पवार पर आपत्तिजनक पोस्ट का मामला

मुम्बई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की कोर्ट ने एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने के मामले में मराठी अभिनेत्री केतकी चितले को 18 मई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। अधिकारी ने कहा कि फिल्म और टेलीविजन अभिनेत्री 29 वर्षीय चितले ने कथित तौर पर अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट साझा की थी जिसके लिए ठाणे पुलिस ने उन्हें शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अभिनेत्री को रविवार को एक अवकाशकालीन अदालत के सामने पेश किया गया जिसने उन्हें 18 मई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। पवार के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने पर चितले और फार्मेसी के 23 वर्षीय छात्र निखिल भामरे को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। चितले की ओर से साझा की गई पोस्ट कविता के रूप में थी और कथित तौर पर किसी अन्य द्वारा लिखी गई थी। इसमें राकांपा प्रमुख का उल्लेख उनके उपनाम पवार और 80 वर्ष की आयु के तौर पर किया गया था। राकांपा नेता 81 वर्ष के हैं। पोस्ट में पवार की ओर इशारा करते हुए लिखा गया था, ''नरक इंतजार कर रहा है'' और ''आप ब्राह्मणों से नफरत करते हैं''। पवार ने नांदेड़ में पत्रकारों से कहा कि वह नहीं जानते कि चितले कौन है और उन्हें इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं कि उन्होंने सोशल मीडिया पर उनके बारे में क्या पोस्ट किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''स्वप्निल नेटके की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर शनिवार को ठाणे के कलवा पुलिस थाने में चितले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

अप्रैल से तैयार इस्पात उत्पादों के दाम नीचे आने लगे

कोलकाता (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच सैन्य संघर्ष के बाद अप्रैल से तैयार इस्पात उत्पादों के दाम नीचे आने लगे हैं। वहीं जिंसों के ऊंचे दाम की वजह से इस्पात क्षेत्र की कंपनियों को कुछ परेशानियों हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता के बाजार में 'लॉन्ग' उत्पादों की कीमतें औसतन 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,000 रुपये प्रति टन पर आ गई हैं, जो पहले 65,000 रुपये प्रति टन के उच्चस्तर पर थीं। अधिकारियों ने बताया कि द्वितीयक इस्पात उत्पादकों के लिए कोयला प्रमुख कच्चा माल है। उस समय कोयले के दाम उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी हैं। वहीं बड़ी कंपनियों के इस्पात के दाम उस समय 75,000 से 76,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गए थे।

स्टील रोलिंग मिल्स एसोसिएशन के अधिकारी ने बताया, ''टीएमटी छड़ और 'स्ट्रक्चरल' जैसे इस्पात उत्पादों की सुस्त मांग के कारण इनकी कीमत 10 से 15 प्रतिशत घट गई है और इसके थोड़ा और कम होने की उम्मीद है। जबकि हमारी लागत बढ़ गई है।'' उन्होंने कहा, कच्चे माल की गुणवत्ता से समझौता करने के बावजूद हमारी लागत में 50 प्रतिशत बढ़ी है। डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन' (डीआरआई) का उपयोग करने वाले द्वितीयक क्षेत्र के इस्पात उत्पादकों को स्पॉन्ज आयरन बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले तापीय कोयले की जरूरत होती है। उन्होंने कहा आयातित कोयले की कीमत 120 डॉलर प्रति टन थी, जो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद 300 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गई है। इस्पात कंपनियां अब अपने अस्तित्व के लिए कोयले का आयात करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि कोल इंडिया उनकी मांग पर ध्यान नहीं दे रही है।

पाकिस्तान के जैकबाबाद में पारा 51 डिग्री सेल्सियस के पार

दुनिया में सबसे ज्यादा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। सूरज लगातार आसमान से आग बरसा रहा है। हाल ये है कि अब दिन में लोग सड़क पर निकलने से बच रहे हैं। भारत में गर्मी से लोग परेशान हैं। वहीं पाकिस्तान में भी गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। शनिवार को पाकिस्तान के जैकबाबाद में पारा 51 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पूरी दुनिया में ये 2022 का सबसे गर्म तापमान रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में रेकॉर्ड किए गए 50.7 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने इस लेकर चेतावनी देकर कहा है कि अभी लोगों को कोई राहत नहीं मिलने वाली। आने वाले दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही रहेगा। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि लोग बेवजह बाहर न निकलें इससे बीमार होने का खतरा ज्यादा है। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में पानी की कमी भी हो सकती है।

पाकिस्तान मौसम विभाग के मुताबिक मई के मौसम में होने वाले तापमान के औसत से काफी ऊपर था। जैकबाबाद में मई के मौसम में औसतन तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस होता है। पाकिस्तान के कराची शहर ने भी शनिवार को पिछले दशक का सबसे गर्म दिन रेकॉर्ड किया है। पाकिस्तान मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को कराची का तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। गर्मी बढ़ने के साथ ही पाकिस्तानी पंजाब राज्य के सिंचाई प्रवक्ता अदनान हसन ने कहा कि इस साल बारिश और हिमपात में कही हुई है, जिसके कारण सिंधु नदी में पानी 65 फीसदी कम हो गया है। पंजाब के चोलिस्तान में भारी गर्मी के कारण भेड़ों की भी मौत हो रही है। ये इलाका पाकिस्तान को सबसे ज्यादा गेहूं उपलब्ध कराता है। लेकिन इस साल गर्मी के कारण फसलों की उपज में कमी का डर भी है।

पाकिस्तान में दो सिख भाइयों की गोली मारकर हत्या

सीएम महमूद खान ने मामले का संज्ञान लिया

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में दो सिख भाइयों की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना पेशावर की है। दोनों भाई अपने मसाले की दुकान पर बैठे थे। तभी बाइक से आए अज्ञात हमलावर उन्हें गोली मार कर चले गए। दोनों भाइयों की पहचान कर ली गई है। इनका नाम सुलजीत सिंह (42) और रंजीत सिंह (38) है। ये दोनों यहां मसाले का कारोबार करते हैं। घटना पर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने संज्ञान लेकर पुलिस अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। आईजी को उन्होंने सख्त एक्शन लेने को कह दिया है। आरोपी हमलावरों की तलाश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी आरोपी कानून के शिकंजे से भाग नहीं सकेगा।

ब्याज दरें बढ़ाने के फैसले लेने में किसी से पीछे नहीं रहा रिजर्व बैंकः आशिमा

- यूक्रेन-रूस युद्ध से मुद्रास्फीति हाल में रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत को पार कर गई

नई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरें बढ़ाने को लेकर फैसले लेने में ?किसी से भी पीछे नहीं रहा ?रिजर्व बैंक। यह बात मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने रविवार को कही। गोयल ने एक साक्षात्कार में कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के लिए ब्याज दरों को बढ़ाने का फैसला लेने में केंद्रीय बैंक पीछे नहीं रहा है। कोरोनो महामारी के बाद जब आर्थिक पुनरुद्धार अस्थिर था, तो इससे निपटने के लिए कुछ अधिक तेज प्रतिक्रिया कतई बुद्धिमानी नहीं होती। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री गोयल ने इस बात को स्वीकार किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न खाद्य और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति की दृष्टि से भारत कमजोर या संवेदनशील है। ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक पुनरुद्धार के साथ तालमेल बैठाने की जरूरत है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने ?पिछले दिनों बिना तय कार्यक्रम के रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की वृद्धि कर सभी को हैरान कर दिया था। अगस्त, 2018 के बाद केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की है। रिजर्व बैंक ने पिछले साल तरलता को पुनर्संतुलित करना शुरू कर दिया था, जबकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने अभी अपने बही-खाते को कम करना शुरू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध से मुद्रास्फीति हाल में रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत को पार कर गई है। भारत में मांग और मजदूरी अभी नरम है। अमेरिका में बड़े सरकारी खर्च के कारण प्रोत्साहन कुछ अधिक है। श्रम बाजार की स्थिति सख्त है। फेडरल ??रिजर्व ब्याजरर

फेडरल रिजर्व भी पीछे नहीं था, रिजर्व बैंक भी ब्याज दर पर निर्णय लेने में पीछे नहीं छूटा है। भारत में मुद्रास्फीति का रुख अमेरिका से भिन्न है। घरेलू मोर्चे पर खुदरा मुद्रास्फीति इस साल अप्रैल में आठ साल के उच्चस्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि रिजर्व बैंक अपने मौद्रिक रुख को और कड़ा कर सकता है। अप्रैल में लगातार सातवें महीने मुद्रास्फीति चढ़ी है। सरकार ने रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है। गोयल ने कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वास्तविक ब्याज दरें संतुलन के स्तर से बहुत इधर-उधर नहीं हों। दरों में अनुचित उतार-चढ़ाव को रोक कर वृद्धि और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बैठाने में मदद मिलेगी।

उत्तर कोरिया में बेकाबू हुआ कोरोना, 42 लोगों की मौत, 296180 लोगों में दिखे बुखार के लक्षण

-सख्त लाकडाउन के बाद भी रुक नहीं रहा प्रसार, किम के अड़ियलपन से 2.5 करोड़ आबादी को अब तक नहीं लगा टीका

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़े हैं। कोरोना के मामलों को देखते हुए तानाशाह किम जोंग उन ने देश भर में लॉकडाउन लगा रखा है। रविवार को लॉकडाउन के चौथे दिन देश भर में 42 लोगों की मौत हुई। 296,180 लोगों में बुखार के लक्षण मिले हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए तानाशाह कि जोंग ने इसे एक बड़ी आपदा बताया है। शनिवार को एंटी-वायरस रणनीतियों पर एक बैठक के दौरान किम जोंग ने इसे ऐतिहासिक रूप से बहुत बड़ा व्यवधान बताया। किम जोंग ने सरकार और लोगों के बीच एकता का आह्वान किया है, ताकि इस स्थिति को जल्द से जल्द ठीक किया जा सके। उत्तर कोरिया में कोरोना के मामले बढ़ना पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है, क्योंकि यहां की स्वास्थ्य सुविधा बेहद खराब है, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हो सकते हैं।

उत्तर कोरिया पिछले दो सालों से कह रहा था कि उसके यहां कोरोना के कोई मामले नहीं हैं। लेकिन गुरुवार को उसने माना है कि वह एक विस्फोटक कोविड-19 के प्रकोप से जूझ रहा है। पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात यह है कि यहां की 2.5 करोड़ आबादी को अब तक टीका नहीं लगा है, जिसके चलते कोरोना वायरस से स्थिति गंभीर हो सकती है।

देश के सभी प्रांतों, शहरों को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। 12 मई की सुबह से काम करने वाली इकाइयां, उत्पादन इकाइयां और आवासीय इकाई पूरी तरह बंद हैं। सभी नागरिकों की टेस्टिंग की जा रही है। उत्तर कोरिया ने चीन की वैक्सीन के ऑफर को ठुकरा दिया था। इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी वैक्सीन की पेशकश की थी, लेकिन तानाशाह किम जोंग ने उसे भी मना कर दिया था। उत्तर कोरिया में डब्ल्यूएचओ के एक प्रतिनिधि ने कहा कि उन्होंने पिछले साल देश को कोविड रिस्पॉन्स प्लान बनाना बताया था। मुश्किल की घड़ी में दक्षिण कोरिया भी उत्तर कोरिया को वैक्सीन भेजने की पेशकश कर रहा है। हालांकि दक्षिण कोरिया प्रशासन ने माना है कि अभी इसे लेकर उत्तर कोरिया से कोई चर्चा नहीं हो सकी है।

निर्यात पर प्रतिबंध से एक-दो सप्ताह में गेहूं की खुदरा कीमतें घटेंगीः खाद्य सचिव

- भारत में गेहूं के उत्पादन में मामूली गिरावट और वैश्विक आपूर्ति कम होने से भी गेहूं की कीमतें बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा कि गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले से एक- दो सप्ताह में घरेलू कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारत में गेहूं के उत्पादन में मामूली गिरावट आने के साथ ही वैश्विक आपूर्ति कम होने से भी इसकी कीमतों में वृद्धि हुई है। यही वजह है कि पिछले महीने गेहूं और आटे की घरेलू कीमतें भी बढ़ गईं। भारत में गेहूं के उत्पादन में संभावित गिरावट और सरकारी खरीद में भी कमी आने का गेहूं की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) पर असर पड़ने की आशंका नहीं है। पीडीएस सुचारू रूप से चलती रहेगी। वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने शुक्रवार रात को गेहूं के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। हालांकि, इसने अधिसूचना की तारीख या उससे पहले जारी हो चुके वैध एलओसी के साथ गेहूं निर्यात की अनुमति दी है। देश ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 45 लाख टन गेहूं के निर्यात का अनुबंध किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इसमें से 14.6 लाख टन गेहूं अप्रैल में निर्यात किया गया था।

खाद्य सचिव ने गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध की घोषणा के बाद आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा ?कि वैश्विक मांग बढ़ रही थी और विभिन्न देश प्रतिबंध लगा रहे थे। धारणाओं से कीमतें तय हो रही थीं। हमें पूरा विश्वास है कि अब धारणाएं भी कीमतों को नीचे लाने का काम करेंगी। इन दिनों कई क्षेत्रों में वैश्विक कीमतों के साथ-साथ मुद्रास्फीति का भी आयात होता है। गेहूं के मामले में भी यही हो रहा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेहूं की कीमतें बढ़ रही हैं। दूसरे देशों का गेहूं 420-480 डॉलर प्रति टन के ऊंचे भाव पर बिक रहा था। ऐसी स्थिति में भारत को बढ़ती घरेलू कीमतों पर नियंत्रण रखने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना पड़ा। इस फैसले से निश्चित तौर पर कीमतों में नरमी लाने में मदद मिलेगी। हालांकि उन्होंने कहा कि कीमतों में आने वाली गिरावट ?कितनी होगी इसका कोई अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है लेकिन घरेलू कीमतों में एक-दो हफ्ते में निस्संदेह कमी आएगी।

चीन के बाद अब दक्षिण अफ्रीका में कोरोना की रफ्तार ने डराया, हर सप्ताह आ रहे आठ हजार नए केस

जोहान्सबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन के दो सब वेरिएंट की वजह से कोविड-19 के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका जैसे हालात दुनिया के किसी भी देश में पैदा हो सकते हैं। सोवेतो के क्रिस हानी बरगवनाथ अस्पताल में टीका और संक्रामक बीमारी विश्लेषण की अनुसंधानकर्ता प्रो मार्टा नून्स ने कहा कि गत तीन सप्ताह से देश में कोविड-19 के मामलों और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस दौरान गंभीर मामलों और मौतों की संख्या में वृद्धि दर्ज नहीं की गई है।

नून्स ने कहा कि हम मामलों में वृद्धि के लिहाज से अब भी शुरुआती दौर में हैं। इसलिए वास्तव में मैं इसे लहर नहीं कहना चाहती। उन्होंने कहा, हम अस्पताल में भर्ती होने वाले संक्रमितों की संख्या में हल्की वृद्धि देख रहे हैं, लेकिन मौतों की संख्या बहुत कम है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका में अप्रैल में रोजाना औसतन 300 नए मामले सामने आ रहे हैं, जिनकी संख्या इस सप्ताह संख्या बढ़कर आठ हजार हो गई है। नून्स ने कहा कि नए संक्रमितों की वास्तविक संख्या संभवत अधिक है क्योंकि संक्रमितों में हल्के लक्षण है और बीमार पड़ने पर ही लोग जांच करा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन के दो सब वेरिएंट बीए.4 और बीए.5 की पहचान की गई है जो बहुत हद तक मूल स्वरूप से मेल खाते हैं जिसकी सबसे पहले पहचान पिछले साल के उत्तरार्ध में दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना में की गई थी। नून्स ने कहा कि अधिकतर नए मामले इन्हीं दो वेरिएंट से संक्रमण के आ रहे हैं। यह अब भी ओमीक्रोन है लेकिन जीनोम के स्तर पर थोड़ा अलग है। उन्होंने कहा नया स्वरूप टीकाकरण करा चुके और पूर्व के कोविड-19 संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता हासिल कर चुके लोगों को भी संक्रमित कर सकता है, लेकिन आमतौर पर इससे हल्के लक्षण सामने आते हैं।

फिनलैंड को रूस से कोई खतरा नहीं, बड़ी गलती साबित होगा नाटो से जुड़ाव, पुतिन ने निनिस्टो को धमकाया

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के बाद अब रूस और फिनलैंड के बीच तनाव बढ़ रहा है। कारण है नाटो की सदस्यता। फिनलैंड की प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने गुरुवार को घोषणा की उनका देश नाटो में शामिल होने का समर्थन करता है। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फिनलैंड को चेतावनी देते हुए कहा है कि नाटो में शामिल होना और फिनलैंड के तटस्थ रुख को छोड़ना बड़ी 'गलती' होगी। इससे पहले रूस ने कहा था कि फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से वह 'सैन्य कार्रवाई' के लिए मजबूर हो सकता है।

पुतिन ने अपने फिनलैंड के समकक्ष सौली निनिस्टो से कहा कि फिनलैंड की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। निनिस्टो और पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत में यह चेतावनी सामने आई है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद स्वीडन भी नाटो में शामिल होने के संकेत दे रहा है। स्वीडन के पास यूरोप में सबसे शक्तिशाली वायुसेना है, वहीं फिनलैंड और रूस के बीच 1300 किमी की सीमा है।

ऐसे में अगर ये दोनों देश नाटो में शामिल होते हैं तो रूस की चिंता बढ़ सकती है। अभी तक फिनलैंड अपनी पूर्वी सीमा पर तनाव से बचने के लिए नाटो में शामिल नहीं हुआ था। पुतिन ने फिनलैंड को सीधे तौर पर प्रतिशोध की धमकी नहीं है लेकिन रूसी विदेश मंत्रालय ने संकेत दिया है कि प्रतिशोध होगा। फिनलैंड को मिलने वाली बिजली सप्लाई को रोककर रूस ने इसके शुरुआती संकेत दे दिए हैं। रूस एनर्जी सप्लायर आरएओ नॉर्डिक ने अपने बयान में भुगतान संबंधी समस्याओं का हवाला दिया है। वहीं फिनलैंड ने कहा कि रूसी कटौती से किसी तरह की समस्या नहीं होगी।

फिनलैंड कुल बिजली खपत का 10 फीसदी रूस से आयात करता है जिसकी जगह पर दूसरे विकल्पों को अपनाया जा सकता है। शनिवार को पुतिन और निनिस्टो की बातचीत के बाद क्रेमलिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि सैन्य तटस्थता की पारंपरिक नीति को छोड़ना एक बड़ी गलती साबित होगा क्योंकि फिनलैंड की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश की राजनीति की दिशा में बदलाव रूस और फिनलैंड के संबंधों पर बुरा प्रभाव डाल सकता है, जो दो पार्टनर्स के बीच अच्छे पड़ोसी और सहयोगी की भावना के साथ कई साल में विकसित हुए हैं। निनिस्टो ने कहा कि उन्होंने पुतिन को बताया कि यूक्रेन पर आक्रमण सहित रूस के हालिया कदमों ने फिनलैंड में सुरक्षा वातावरण को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि यह बातचीत बेहद स्पष्ट थी और बिना किसी उत्तेजना के की गई थी। इस दौरान तनाव को दूर करने पर जोर दिया गया।

गुजरात पुलिस ने पासा लगाने का निर्णय लिया था

भैंसों के वध में बारबार पकड़े गये आरोपियों के विरूद्ध PASA लगाया जाएगा

गुजरात में कानून के अनुसार, गाय की प्रजापति में बैल, गाय, नर-मादा भैंस तथा भैंस का पाडा शामिल

अहमदाबाद, १५ मई ।

ईद-अल -अधा या बकरी ईद के करीब दो महीने पहले गुजरात पुलिस ने भैंस और उनके पाडा के वध के लिए एक से ज्यादा बार पकड़े गये लोगों के विरूद्ध पासा के आरोप लगाने का निर्णय लिया था । डीजीपी, सीआईडी (क्राइम) द्वारा सभी पुलिस कमिश्नरों और एपी को ११ मई को जारी किए गए परिपत्र के अनुसार, यह निर्णय इसलिए लिया गया था क्योंकि गुजरात पशु संरक्षण अधिनियम, १९५४ के तहत भैंसों को भी गाय की प्रजापति मानी जाती है। जारी किए गए परिपत्र के अनुसार, यह नोट किया गया कि, पासा प्रस्तावों को गायों की कत्ल और उनके संतानों के साथ जुड़े हुए अपराधों की हिरासत के लिए जारी किया जाता है। लेकिन भैंसों की वध में शामिल रहे अपराधियों के लिए पीएएसए की ऐसी कोई दरखास्त जारी नहीं की गई है। ऐसा लगता है कि, पीएएसए के तहत प्रस्ताव जारी करने के मामले में कई गलतफहमियां है । इसी वजह से गुजरात पशु संरक्षण अधिनियम, १९५४ की स्पष्टता करने की जरूरत है । कानून के अनुसार गाय की प्रजापति में बैल, गाय, नर और मादा भैंस तथा भैंस का पाडा शामिल है। इसके पहले गायों की गैरकानूनी वध में शामिल लोगों के विरूद्ध पीएएसए के आरोप लगे थे और उनकी कड़े कानून के तहत गिरफ्तारी की गई थी । क्राइम के इंचार्ज इंस्पेक्टर जनरल, क्राइम-१ यूनिट, परिक्षिता राठोड ने जिन्होंने परिपत्र जारी किया है उन्होंने बताया है कि, कुछ समुदाय के प्रतिनिधि भैंसों की गैरकानूनी कत्ल में शामिल लोगों के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रस्ताव भेज रहे हैं । परिक्षिता राठोड ने आगे बताया है कि, ऐसे प्रस्ताव सामने आने के बाद हमने निश्चय किया कि, ऐसे अपराधियों के विरूद्ध —पीएएसए लगाया जा सकता है। क्योंकि भैंस भी गुजरात पशु संरक्षण अधिनियम, के तहत गाय की एक जात है। बकरी ईद के त्यौहार पहले के नोटिफिकेशन को लेकर उन्होंने कहा कि, ऐसा कुछ नहीं है । यह निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया गया था ।

कांग्रेस नेता का हार्दिक पटेल पर पलटवार, कहा- पार्टी का प्रदेश कार्यकारी प्रमुख बनाया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावडा ने हार्दिक पटेल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी ने उनकी आयु और अनुभव से कहीं ज्यादा बड़ी प्रदेश कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी उन्हें दी थी। बता दें कि हार्दिक पटेल ने आज खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल के साथ बैठक की थी। जिसके बाद मीडिया से बातचीत में हार्दिक पटेल ने कहा कि कांग्रेस को हमने बहुत कुछ दिया है, लेकिन पार्टी से उन्होंने कुछ नहीं लिया। हार्दिक पटेल के बयान पर अमित चावडा ने पलटवार किया। अमित चावडा ने कहा कि हार्दिक पटेल हमारे साथी हैं और कांग्रेस ने उन्हें गुजरात कांग्रेस का कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी दी है। कांग्रेस की चिंतन शिविर में गिने चुने नेताओं को आमंत्रित किया गया और इसमें सभी को शामिल होना चाहिए। लेकिन हार्दिक पटेल ने चिंतन शिविर में भाग नहीं लिया। उन्होंने कहा कि छोटी आयु में समाज के आंदोलन में नेतृत्व करने का अवसर मिला और समाज ने हार्दिक पटेल को बड़ा बनाया है। कांग्रेस ने कम उम्र और अनुभव से भी बड़ी जिम्मेदारी दी और उन्हें प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी प्रमुख बनाया है। कांग्रेस में वर्षों से काम कर रहे नेता और कार्यकर्ताओं से कहीं अधिक महत्व और जिम्मेदारी हार्दिक पटेल को मिली है और इसका हार्दिक पटेल को वहन करना चाहिए। बार बार कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। जिम्मेदार पद बैठे नेता को गैरजिम्मेदाराना बयान देने से बचना चाहिए। अगर कोई छोटी-बड़ी समस्या है तो उस पर पार्टी फोरम में चर्चा करनी चाहिए। गुजरात प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी प्रमुख होने के नाते हार्दिक पटेल को पार्टी की विचारधारा को मजबूत काम करना चाहिए। ना कि छोटा-मोटा सम्मान नहीं मिलने पर उसे बड़ा मुद्दा बनाना चाहिए।

गर्मी का तापमान ४५ को पार करने पर लोग परेशान

गर्मी में आकाश में से गिरते पक्षी को बचाते अहमदाबादी

अहमदाबाद में रोजाना १५० से १६० पक्षी डिहाइड्रेशन का शिकार बन रहे हैं, रेस्क्यू सेंटर में इलाज किया जाता है

अहमदाबाद, १५ मई ।

गुजरात में फिलहाल शरीर झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है । ऐसी भीषण गर्मी में लोग घर के बाहर निकलने का टाल रहे है । राज्य में गर्मी का तापमान ४५ को पार कर चुका है। अब आकाश में उड़ते पक्षी भी एक के बाद एक जमीन पर गिर रहे हैं। डिहाइड्रेशन की वजह से यह पक्षी आकाश में से जमीन पर गिर रहे हैं। लोग तो एसी या पंखे में रहकर गर्मी बर्दाश्त कर सकते है लेकिन यह अबोल पक्षियों का क्या मूक पक्षियों को अहमदाबाद की यह भीषण गर्मी बर्दाश्त नहीं हो रही है। जिसकी वजह से वह आकाश में उड़ते उड़ते ही जमीन पर गिर रहे है। अब ऐसे कई मामले में पक्षियों की मौत भी हो जाती है । अब कई अहमदाबादी ऐसे पक्षियों को बचाने का अनूठा सेवा कर रहे है । रेस्क्यू सेंटर में पक्षियों का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया है कि, हाल भीषण गर्मी पड़ रही है । लोगों को गर्मी सहन नहीं हो रही है तब मूक पक्षियों का क्या कहना। अहमदाबाद में रोजाना १५० से १६० पक्षी डिहाइड्रेशन का शिकार बन रहे हैं, जिनको रेस्क्यू सेंटर में इलाज किया जा रहा है। यहां ऐसे पशु-पक्षियों को सभी प्रकार की इलाज और सुविधा दी जाती है। जिनके उपचार के लिए डॉक्टर भी तैनात रहते है। डिहाइड्रेशन का शिकार बनने वाले पक्षियों में विशेष करके तोते, कौवे, कबूतर, मेना, बाज आदि शामिल है। पक्षियों के बच्चा विशेष करके डिहाइड्रेशन का शिकार ज्यादा बनते है। क्योंकि वह नया नया उड़ते सीखे यानी कि खुराक पानी की खोज में निकलते है । जिसकी वजह से भीषण गर्मी का शिकार बनते है। हालांकि लोग अपने छत पर पानी फूंका रखे तो पक्षियों को पीने के लिए पर्याप्त पानी मिलता रहे उनको डिहाइड्रेशन का शिकार बनने से रोका जा सके । एनिमल लाइफ केयर के विजय डाभी जो कि पिछले १२ वर्ष से पशु-पक्षियों को बचाने का काम कर रहे है। वह कहते है कि, सामान्य दिनों की अपेक्षा गर्मी में पक्षियों को बचाने क लिए कॉल ज्यादा आते है। भीषण गर्मी में पक्षियों का डिहाइड्रेशन का शिकार ज्यादा बनते हैं।

नाराजगी का समाधान होने से पहले कांग्रेस कार्यक्रम में शामिल होने का कोई अर्थ नहीं : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी हार्दिक पटेल ने पार्टी से नाराजगी की बात स्वीकार करते हुए कहा कि जब उनकी नाराजगी का समाधान नहीं हो जाता तब तक कांग्रेस के कार्यक्रमों में जाने का कोई मतलब नहीं है। राजस्थान के उदयपुर में चल रही कांग्रेस की चिंतन शिविर में न जाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में हार्दिक पटेल ने यह जवाब दिया। दरअसल आज राजकोट के कागवड स्थित खोडलधाम में नरेश पटेल, पाटीदार नेता हार्दिक पटेल, दिनेश बांभणिया और पास संयोजक अल्पेश कथीरिया के बीच बैठक हुई थी। बैठक खत्म होने के बाद खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल और कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने मीडिया से बातचीत की। नरेश पटेल ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में विकास, युवाओं पर दर्ज केस वापस लेने, मेरे राजनीतिक में प्रवेश और हार्दिक पटेल की राजनीति जैसे मुद्दों पर बैठक में चर्चा की गई। नरेश पटेल ने कहा कि मुझे राजनीति में प्रवेश करना चाहिए या नहीं और किस राजनीतिक दल में शामिल होना, इस बारे में आगामी दिनों में चर्चा के बाद फैसला करूंगा। उन्होंने कहा कि हार्दिक इतने समझदार हैं कि वह मुझे समझा सकते हैं। हार्दिक पटेल के कांग्रेस से नाराजगी और भाजपा में शामिल होने की अटकलों को लेकर नरेश पटेल ने कहा कि यह हार्दिक पटेल को तय करना है कि वह किस राजनीतिक दल में शामिल होना चाहते हैं। हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से नाराजगी को लेकर कहा कि जब तक उसका समाधान नहीं हो जाता तब तक कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। हार्दिक ने कहा कि कांग्रेस से हमने आज तक कुछ लिया नहीं है। 2015 हो या 2017 हो या फिर उसके बाद का समय हमने हमेशा अपना 100 प्रतिशत योगदान दिया है। गुजरात की जनता को जागृत कर उसे कांग्रेस से जोड़ने का काम किया है। नाराजगी से भी ज्यादा पार्टी फोरम में स्वतंत्रता के साथ सही बात करना जरूरी होती है। हार्दिक पटेल ने कहा कि नरेश पटेल जिस राजनीतिक दल में शामिल होंगे, उसे फायदा होगा। नरेश पटेल राजनीति में प्रवेश के बारे में जो भी फैसला करेंगे हम उनके साथ हैं। फिलहाल नरेश पटेल कांग्रेस हाईकमांड के साथ सीधे संपर्क में हैं। आज नरेश पटेल के साथ कई मुद्दों को लेकर चर्चा हुई है। नरेश पटेल जल्द से जल्द राजनीति में प्रवेश करें इसकी हमने भी उनसे मांग की है। उन्होंने कहा कि नरेश पटेल सभी समाज की चिंता करते हैं नरेश पटेल के राजनीति में शामिल होने के बारे में भी आज की बैठक में चर्चा की गई है।

दक्षिण गुजरात के किसानों की गेहूं की निर्यात पर रोक हटाने की मांग, पीएम मोदी को लिखा पत्र

अहमदाबाद (ईएमएस) भारत सरकार की ओर से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने से किसानों ने नाराजगी व्यक्त की है। केन्द्र सरकार द्वारा अचानक यह फैसला लिए जाने से किसानों को व्यापक नुकसान होगा। किसानों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर गेहूं निर्यात पर लगी रोक हटाने की मांग की है। बता दें कि अमेरिका के कृषि विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल दुनियाभर में 350 लाख टन गेहूं की कमी होने की संभावना व्यक्त की गई है। दूसरी ओर इस वर्ष भारत में भी गेहूं का कम उत्पादन होने की आशंका है। जिसे देखते हुए भारत सरकार ने 13 मई की रात एक अधिसूचना जारी कर तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के चलते आसपास के देशों से निर्यात ठप हो गया है। इस कारण दुनिया के कई देश भारत से बड़े पैमाने पर गेहूं मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे। भारत सरकार का भी 100 लाख टन गेहूं निर्यात करने का लक्ष्य था। लेकिन अमेरिका कृषि विभाग की रिपोर्ट के बाद भारत सरकार ने तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। केन्द्र सरकार के इस फैसले पर किसानों ने नाराजगी व्यक्त की है। केन्द्र सरकार के अचानक लिए गए इस फैसले से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। किसानों का कहना है कि केन्द्र सरकार के इस फैसले उन्हें बड़े पैमाने पर नुकसान होगा। इस संदर्भ में दक्षिण गुजरात के किसानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। जिसमें किसानों ने मांग की है कि गेहूं के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध को रद्द किया जाए। एक ओर सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है, दूसरी ओर ऐसे फैसले कर रही है जिससे किसानों को नुकसान होगा।

गढडा में गोपीनाथजी महाराज स्वरूप की मूर्ति को पसीना आया

बोटाद, १५ मई ।

बोटाद के गढडा में स्थित गोपीनाथजी मंदिर में महाराज स्वरूप की मूर्ति पर पसीना आ रहे होने का विडियो वायरल हुआ है । गत दिन सुबह में मंगला आरती में गोपीनाथजी भगवान की मूर्ति पर पसीना देखने को मिला। मूर्ति पर पसीना देखने को मिलने पर कुतुहल पैदा हुआ है। लोग इस घटना को चमत्कार बता रहे हैं। गढडा गोपीनाथजी मंदिर में गोपीनाथी महाराज स्वरूप की मूर्ति में पसीना आता हो ऐसा विडियो वायरल हुआ है। गत दिन १४ मई सुबह की मंगला आरती में गोपीनाथजी भगवान की मूर्ति पर भारी पसीना देखने को मिला । गोपीनाथजी महाराज के साथ हरिकृष्ण महाराज तथा राधिकाजी की मूर्तियां स्थित है । हरिभक्तों द्वारा कलयुग में गोपीनाथजी महाराज साक्षात होने का पर्चा बताने का विडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। आपको बता दे कि, मंदिर के गर्भगृह में दो चालू है। फिर भी गोपीनाथजी महाराज स्वरूप की मूर्ति पर पसीना होने से आश्चर्य फैल गया। गोपीनाथजी महाराज साक्षात होने का हरिभक्तों ने विडियो वायरल किया । मंदिर के चेयरमैन हरिजीवन स्वामी ने गोपीनाथजी महाराज के विडियो मामले में पुष्टि की है ।भावनगर और अहमदाबाद जिले के कई गांवों को शामिल करके बोटाद को एक नया जिला बनाया गया है । लेकिन यह जिले को सुविधा के नाम पर कुछ नहीं मिला है । जिले में प्रवेश करते वाहन चालक परेशान हो जाते है। बोटाद से ढसा तक के मार्ग का रियालिटी चेक किया तो जहां देखो वहां रोड टूटा हुआ देखने को मिला । ४५ किलोमीटर यह रोड स्टेट हाइवे में आता है । लेकिन रोड एकदम खराब हालत में देखने को मिला था। यह खखडधज रोड की वजह से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह रोड पर से जाते वाहन चालकों को डेढ़ से दो घंटे का समय ज्यादा लग रहा है । इमरजन्सी स्थिति में तो यहां जाने लायक नहीं है ।

भाजपा के स्व. नेता की तस्वीर लेकर भाजपा कार्यालय पहुंचे आप कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

भरुच (ईएमएस) भाजपा के गढ में आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा जनसभाएं किए जाने की बात सुनी होगी, परंतु ऐसा पहली बार सुना है जब भाजपा के स्व. नेताओं की तस्वीर लेकर भाजपा कार्यालय में ही उन्हें श्रद्धांजलि दी गई है। घटना भरुच भाजपा कार्यालय की है, जहां आज आप कार्यकर्ता भरुच जिला भाजपा के पूर्व प्रमुख स्व. शीरिष बंगाली की तस्वीर लेकर पहुंच गए। भाजपा कार्यालय में स्व. शीरिष बंगाली की तस्वीर लगाने के बाद आप कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। इस घटना को लेकर राजनीति गरमा गई है। दरअसल हाल ही में भरुच में आयोजित वर्च्युअली सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्व. शीरिष बंगाली को याद कर दुःख व्यक्त किया था। आप ने इसे मुद्दा बना लिया और भाजपा पर आरोप लगाया कि शीरिष बंगाली की हत्या के बाद आज तक भाजपा ने उन्हें पुण्य तिथि और जन्म तिथि पर याद नहीं किया। इतना ही नहीं भाजपा कार्यालय में स्व. शीरिष बंगाली की तस्वीर तक नहीं लगाई। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने बयान में एक साथी मित्र गंवाने का दुःख व्यक्त करते हैं तो भाजपा पदाधिकारियों को अपने कार्यालय में स्व. शीरिष बंगाली की तस्वीर लगानी चाहिए। लेकिन भाजपा ने ऐसा नहीं किया, इसलिए आप कार्यकर्ता आज स्व. शीरिष बंगाली की तस्वीर लेकर भाजपा कार्यालय पहुंचे। जहां स्व. शीरिष बंगाली की तस्वीर स्थापित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पण की।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई बस, 3 लोगों की मौत, 30 से ज्यादा यात्री घायल

बनासकांठा (ईएमएस) जिले काणोदर के निकट सड़क किनारे खड़े ट्रक से यात्रियों से भरी बस टकराई गई। इस घटना में 3 लोगों की मौत हो गई और 30 अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को पालनपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की पालनपुर तहसील के काणोदर के निकट एरंडी से लदा एक ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। उस वक्त राजस्थान से यात्रियों को लेकर अहमदाबाद की ओर जा रही प्राइवेट ट्रावेल्स कंपनी की लक्जरी बस सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैफिक जाम हो गया। तड़के तीन बजे हुई इस घटना की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे में घायल यात्रियों को पालनपुर के सिविल अस्पताल भर्ती कराया गया है। इस दुर्घटना में मौत का आंकड़े बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

गुजरात कांग्रेस प्रभारी रघु शर्मा की हार्दिक पटेल को पार्टी के अनुशासन में रहने की हिदायत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस प्रभारी के रघु शर्मा ने चुप्पी तोड़ते हुए प्रदेश के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल को लेकर बयान दिया है। रघु शर्मा ने कहा कि हार्दिक पटेल को पार्टी के अनुशासन में रहते हुए काम करना चाहिए। बता दें कि काफी समय से हार्दिक पटेल कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं और इस संदर्भ में वे कई बार मीडिया के समक्ष अपनी नाराजगी जता चुके हैं। हार्दिक पटेल कितने नाराज है यह इसी बात से पता चलता है कि राजस्थान के उदयपुर में आयोजित कांग्रेस की चिंतन शिविर में भाग लेने नहीं पहुंचे। जबकि हार्दिक पटेल को भी चिंतन शिविर के लिए आमंत्रण दिया गया था। उनकी नाराजगी को लेकर रघु शर्मा ने कहा कि हार्दिक पटेल को पार्टी के अनुशासन में रहकर ही काम करना होगा। पार्टी के नियम सभी के लिए एक समान हैं। रघु शर्मा ने कहा कि खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल के कांग्रेस में शामिल होने के संदर्भ में जल्द ही फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेश पटेल के साथ मैं लगातार संपर्क में हूं और वह कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। लेकिन कुछ राजनीतिक चर्चा का समाधान होना बाकी है। गौरतलब है कि हार्दिक पटेल पिछले काफी समय से मीडिया के समक्ष कांग्रेस नेतृत्व को लेकर सवाल उठा रहे हैं। हांलाकि हार्दिक पटेल के सवालों का कांग्रेस नेताओं की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं दिया गया। लेकिन अब गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा ने मौन तोड़ते हुए हार्दिक पटेल को पार्टी के अनुशासन में रहते हुए मीडिया में बयानबाजी करने की कड़ी चेतावनी दी है। कांग्रेस में रहकर मीडिया के समक्ष पार्टी के खिलाफ बोलने उचित नहीं है। रघु शर्मा ने यह भी कहा कि हार्दिक पटेल एक क्षमतावान युवा हैं, लेकिन वह पार्टी से बड़े नहीं है। इसलिए उन्हें भी कांग्रेस के नियमों का पालन करना होगा।

अडानी परिवार के किसी सदस्य की राजनीति में दिलचस्पी नहीं : अडानी समूह

अहमदाबाद (ईएमएस)। मशहूर कारोबारी और दुनिया के टॉप अमीरों में शामिल गौतम अडानी के परिवार को लेकर पिछले कुछ दिनों से एक खबर चर्चा का विषय बनी हुई थी। खबर में दावा किया जा रहा था कि अडानी या उनकी पत्नी डॉ. प्रीति अडानी को राज्यसभा सांसद बनाया जा सकता है। अब इस दावे पर अडानी ग्रुप ने सफाई पेश की है। समूह ने कहा कि अडानी परिवार के किसी सदस्य की राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। समूह अडानी और डॉ. प्रीति अडानी को राज्यसभा भेजे जाने की खबरों के बारे में जानता है। यह खबरें पूरी तरह से गलत हैं।

अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी 25 अप्रैल को दुनिया के सबसे अमीर लोगों की फोर्ब्स की लिस्ट में पांचवें स्थान पर पहुंच गए थे। अडानी की कुल नेट वर्थ 123.1 अरब डॉलर आंकी गई थी। उन्होंने वॉरेन बफेट को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया था। बफेट 121.7 अरब डॉलर की कुल अनुमानित नेट वर्थ के साथ छठे स्थान पर खिसक गए थे।

अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस ट्रेन का नारला रोड स्टेशन पर ठहराव

अहमदाबाद (ईएमएस) रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन संख्या 12844/12843 अहमदाबाद-पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन को तत्काल प्रभाव से 6 महीने के लिए प्रायोगिक तौर पर नारला रोड स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया जा रहा है। जिसका विवरण इस प्रकार हैः

- ☐ ट्रेन संख्या 12844 अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस का नारला रोड स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 20:22/20:24 बजे रहेगा।
- ☐ ट्रेन संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन का नारला रोड स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 04:00/04:02 बजे रहेगा।

19 मई 2022 की अहमदाबाद-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस ट्रेन हरिद्वार स्टेशन पर शोर्ट टर्मिनेट होगी

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर रेलवे के हरिद्वार-देहरादून सेक्शन पर हरिद्वार और मोतीचूर स्टेशनों के बीच गर्डर लॉन्चिंग हेतु ब्लॉक लिए जाने के कारण अहमदाबाद-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस ट्रेन प्रभावित रहेगी। जो इस प्रकार हैः

- ☐ दिनांक 19 मई 2022 की ट्रेन संख्या 19031 अहमदाबाद-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस ट्रेन हरिद्वार स्टेशन पर शोर्ट टर्मिनेट होगी।
- ☐ दिनांक 20 मई 2022 की ट्रेन संख्या 19032 योगनगरी ऋषिकेश-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन योग नगरी ऋषिकेश की बजाय हरिद्वार स्टेशन से रवाना होगी।

नवजात शिशुओं और बच्चों के गंभीर इलाज के लिए गुजरात के सबसे बड़े अस्पताल ऑरेंज अस्पताल का शुभारंभ

नवजात शिशुओं और बच्चों के गंभीर उपचार के लिए बहुत अलग सुविधाओं और डॉक्टरों की एक टीम की आवश्यकता होती है। ऑरेंज एनआईसीयू और पीआईसीयू गुजरात में 50 सीटों वाला अपनी तरह का पहला अस्पताल है। गुजरात की पहली अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पहला जियोक्स इन-होल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड सिस्टम, बच्चों के लिए डायलिसिस मशीन, उच्च आवृत्ति वेंटिलेटर। अस्पताल के अंदर ऑपरेशन थिएटर और ट्रांसपोर्ट वेंटिलेटर जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

डॉ. सागर पटेल, नियोनेटल स्पेशलिस्ट, ने कहा, एक बाल चिकित्सा आईसीयू विशेषज्ञ की 24 घंटे की उपस्थिति नवजात शिशुओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक अस्पताल बनाता है।

सभी निजी और सरकारी बीमा कंपनियों के मरीज बिना एक पैसा दिए ऑरेंज अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। गुजरात के सभी नवजात शिशुओं को भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी यहां व्यवस्था की गई है।ठ नवजात शिशु के साथ भी ऐसा ही है। विशेषज्ञ डॉ. नीरव पटेल ने कहा।

इस मौके पर अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. टिम. सागर पटेल, डॉ. नीरव पटेल, डॉ. सुनील पटेल, डॉ. मौलिक पटेल, डॉ. तेजस शाह, डॉ. भाविक शाह उपस्थित थे।

दिनाँक १६ मई, २०२२ से ३१ मई, २०२२ तक 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (PM-GKAY) के अंतर्गत राज्य मे 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम' के तहत आने वाले ७०.८६ लाख राशन कार्ड धारकों की ३.४८ करोड़ आबादी को प्रति व्यक्ति ५ किलोग्राम अतिरिक्त अनाज का निःशुल्क वितरण

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' अंतर्गत राज्य के सभी ३३ ज़िले और अहमदाबाद शहेर में प्रति व्यक्ति १ किलोग्राम गेहूं और ४ किलोग्राम चावल मिलाकर कुल ५ किलोग्राम अतिरिक्त अनाज का निःशुल्क वितरण किया जायेगा

क्रम	श्रेणी	अनाज	मात्रा	दर
१	अंत्योदय परिवारों (AAY) और अग्रता वाले परिवार (PHH)	गेहूं	प्रति व्यक्ति १ किग्रा.	निःशुल्क
		चावल	प्रति व्यक्ति ४ किग्रा.	निःशुल्क

वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना

देश के अन्य राज्यों के NFSA राशनकार्ड धारक गुजरात में भी राशन प्राप्त कर सकेंगे

गुजरात के किसी भी गांव या शहर से राशनकार्ड बनवाया गया हो, यदि वह अपने नौकरी या व्यापार के कारण राज्य के किसी दूसरे गांव या शहर में जीवनयापन कर रहे हैं, तो वे राज्य की किसी भी सरकारी उचित मूल्य की किसी भी दुकान से निःशुल्क राशन प्राप्त कर सकते हैं

लाभार्थी अपने किसी भी हाथ के अंगूठे/उंगली का उपयोग कर अपनी बायोमेट्रिक पहचान देकर अनाज प्राप्त कर सकते है

MY RATION
Mobile Application

प्रत्येक लाभार्थी से विशेष अनुरोध है कि वे 'My Ration' मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करें। इस एप्लिकेशन के माध्यम से लाभार्थी; खुद को मिलने वाले अनाज की मात्रा की जानकारी, वितरण मूल्य, पहले प्राप्त कर लिए गए अनाज की मात्रा की जानकारी और ऑनलाइन रसीद की जानकारी बहुत ही सरलता से प्राप्त कर सकते है

-श्री नरेशभाई पटेल, मंत्री,
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता सबंधीत विभाग, गुजरात राज्य

लाभार्थी अपनी शिकायत हेल्पलाइन संख्या १८००-२३३-५५००, १४४४५ तथा 'My Ration' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95